www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, रविवार
5 जुलाई 2026
वर्षः 49
अंकः 69 पृष्ठः 8
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

अयोध्या राम मंदिर की रेकी करने वाला आतंकी घोषित

● आरोपी पाकिस्तान का नागरिक, हाफिज का रिश्तेदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने शनिवार को 23 लोगों को आतंकी घोषित किया है। इनमें एक आतंकी वो भी है जिसने अयोध्या में राम मंदिर और नागपुर में संघ भवन की रेकी की थी। हालांकि ये रेकी कब की गई थी इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। इस आतंकी की पहचान मोहम्मद मुसादिक के रूप में हुई है। यह हाफिज सईद का रिश्तेदार है। सरकार का कहना है कि लिस्ट में शामिल सभी आतंकी जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा, द रेजिस्टेंस फ्रंट और जमात-उद-दावा जैसे

प्रतिबंधित आतंकी संगठनों से जुड़े हैं। सरकार के मुताबिक ये लोग आतंकियों की भर्ती, भारत में घुसपैठ, आतंकी हमलों की साजिश, आतंक के लिए पैसे जुटाने, हथियार पहुंचाने और अन्य मदद करने में शामिल रहे हैं। घोषित 23 आतंकियों में 6 जम्मू-कश्मीर के मूल निवासी हैं, जबकि 17 पाकिस्तान के रहने वाले हैं। इनमें 7 पीओके (पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर) और 10 पाकिस्तान में रह रहे हैं। इन 23 नामों के जुड़ने के बाद सरकार की तरफ से घोषित आतंकियों की संख्या बढ़कर 80 हो गई है। सरकार ने जिन जैश आतंकियों को लिस्ट में शामिल किया है। उनमें कुछ 2016 के नगरोटा आर्मी कैंप हमले और 2022 के सुनजवां हमले से जुड़े बताए जा रहे हैं। 29 नवंबर 2016 को आर्मी कैंप पर सेना की वर्दी पहनकर आए थे।

बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन ने रोड शो में लहराई तलवार

मुस्लिम महिलाएं भी शामिल हुईं

लखनऊ (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को लखनऊ में रोड शो किया। एयरपोर्ट से भाजपा प्रदेश मुख्यालय तक 18 किलोमीटर लंबा यह रोड शो सुबह 11.20 बजे शुरू हुआ और दोपहर 1.55 बजे समाप्त हुआ। एयरपोर्ट से निकलने के बाद वह प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के साथ विशेष रथ पर सवार होकर रोड शो के लिए रवाना हुए। पूरे मार्ग में जगह-जगह

कार्यकर्ताओं और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने उनका स्वागत किया। कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से उनका स्वागत किया और जमकर नारेबाजी की। रोड शो के दौरान नितिन नवीन ने समर्थकों का अभिवादन करते हुए तलवार भी लहराई। बड़ी संख्या में बुर्का पहने मुस्लिम महिलाएं और टोपी पहने मुस्लिम पुरुष भी रोड शो में शामिल हुए। वहीं, पादरियों और ननों ने भी उनका स्वागत किया। भाजपा ओबीसी मोर्चा ने उन्हें क्रेन की मदद से 25 फीट की विशालकाय माला पहनाई। एयर पोर्ट पर सीएम योगी ने वेलकम किया।

हर दिन 8 लाख रुपए के दान की हो रही थी चोरी!

● बाग में होता था मंदिर में चढ़ावे की रकम का बंटवारा ● राम मंदिर दान मामले में हर रोज हो रहे हैं नए खुलासे

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में राम मंदिर दान चोरी मामले में आए दिन नए खुलासे हो रहे हैं। इस बीच चढ़ावा चोरी को लेकर भी कई चौंकाने वाली बातें सामने आ रही है। सूत्रों की मानें तो पुलिस पूछताछ में अविनाश ने कई बातें पुलिस को बताई हैं। जो चढ़ावा चोरी किया जाता था, उसका बंटवारा 14 कोसी परिक्रमा मार्ग पर भीखापुर के निकट एक बाग में बंटवारा होता था। पुलिस ने उससे उस जगह को चिह्नित कराया। पुलिस टीम आरोपी

को विवेचक आशुतोष त्रिपाठी के नेतृत्व में कौशलपुरी स्थित श्याम साधनालय योग केंद्र के किराये के कमरे में लेकर पहुंची थी। सूत्रों की मानें तो पुलिस को अविनाश ने बताया कि जो भी रकम सभी लोग मिलकर पार करते थे, वह बराबर हिस्सों में बांटी जाती थी। कभी-कभार कोई अधिक ले जाता था। हालांकि, टिन्नू इसमें दबाव भी बनाता था। अविनाश ने इसी रकम से कार खरीदी।

रोजाना 6 से 8 लाख रुपये की दानराशि में अनियमितता

पुलिस जांच में ये बात भी सामने आई है कि अविनाश शुक्ला की भर्ती की सिफारिश अनिल मिश्रा ने की थी। लेकिन वह किसी के जरिये अनिल मिश्रा तक पहुंचा था, अब पुलिस इसका पता लगा रही है। सूत्रों की मानें तो चढ़ावा चोरी की जांच के बीच एक महत्वपूर्ण तथ्य सामने आया है। सूत्रों के अनुसार, चोरी का मामला उजागर होने से पहले प्रतिदिन राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के बैंक खातों में औसतन 16 से 18 लाख रुपये दान के रूप में जमा हो रहे थे। लेकिन अब प्रकरण सामने आने के बाद यही राशि बढ़कर 24 से 26 लाख रुपये प्रतिदिन तक पहुंच गई है। इस आधार पर पहले रोजाना 6 से 8 लाख रुपये की दानराशि में अनियमितता हो रही थी।

भारी बारिश: महाराष्ट्र-गुजरात पानी-पानी

● महाराष्ट्र के भिवंडी में 3 फीट पानी भरा, दुकानें बंद ● गुजरात में भीषण बाढ़, उन्नीस लोगों का रेस्क्यू किया

भोपाल (एजेंसी)। मानसून देश के लगभग सभी राज्यों में पहुंच चुका है। राजस्थान-गुजरात के कुछ हिस्से बाकी हैं, हालांकि उससे पहले गुजरात में बारिश के चलते बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। गुजरात के मेंडरडा इलाके में समधियाला गांव के पास बाढ़ के पानी में चार गाड़ियां फंस गईं। जिसमें से 19 लोगों का रेस्क्यू किया गया। उधर महाराष्ट्र के भिवंडी में बाजार में करीब 3 फीट तक पानी भर गया। दुकानें बंद हो गईं। लोग कमर तक डूबकर सड़क पार कर रहे हैं। राजस्थान के जयपुर में तेज बारिश के बाद सवाई मानसिंह हॉस्पिटल के माइनर ओटी में पानी भर गया।

● **बंगाल कई जिलों के लिए रेड वॉर्निंग-** बंगाल की खाड़ी में लो प्रेशर एरिया बना है। भारत के मौसम विज्ञान विभाग ने पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना और पूर्व मेदिनीपुर जिलों के लिए रेड वॉर्निंग जारी की। यह कलर-कोडेड वॉर्निंग का सबसे

ऊंचा स्तर है। विभाग ने झाड़ग्राम, पश्चिम मेदिनीपुर और हावड़ा के लिए ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया और लोगों से खराब मौसम के लिए तैयार रहने को कहा। साथ ही, चेतावनी दी कि रविवार को हालात और बिगड़ सकते हैं। राज्य सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जिला प्रशासन को बारिश से जुड़ी किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया गया है। कंट्रोल रूम चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं। अधिकारियों को संवेदनशील और निचले इलाकों पर नजर रखने का निर्देश दिया गया है।

भारी बारिश के चलते बाइक पर पेड़ गिरा, दो घायल

मुंबई के ठाणे शहर के कलवा इलाके में शनिवार सुबह भारी बारिश के दौरान दो-पहिया वाहनों पर पेड़ गिरने से दो लोग घायल हो गए। ठाणे नगर निगम के क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन सेल के प्रमुख यासीन तडवी ने बताया कि यह घटना खारेगांव नाका पर हुई। उन्होंने कहा, आपदा प्रबंधन सेल को सुबह 9.38 बजे इस घटना की सूचना मिली। सड़क पर एक बड़ा पेड़ गिर गया, जिसकी चपेट में दो लोग आ गए जो उस समय अपने दो-पहिया वाहनों से वहां से गुजर रहे थे। ट्री अथॉरिटी विभाग और फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने गिरे हुए पेड़ को काटकर सड़क से हटाया ताकि ट्रैफिक के लिए रास्ता साफ हो सके।

संकट के समय दिखा भारत की डिप्लोमेसी का जलवा

● 40 से ज्यादा देशों से आया ईंधन, पीएम ने विपक्ष को खूब सुनाया ● पश्चिम एशिया संकट का जिक्र कर विपक्षी दलों को सिखाया सबक

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के पचपदरा में भारत के पहले ग्रीनफील्ड एकीकृत रिफाइनरी-सह-पेट्रोकेमिकल परिसर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिमी एशिया युद्ध से पैदा हुए ऊर्जा संकट का जिक्र करते हुए कहा कि इसी समय में भारत की दूसरे देशों के साथ दोस्ती बहुत काम आई। प्रधानमंत्री मोदी ने पचपदरा में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिमी एशिया में युद्ध के कारण पूरी दुनिया में हाहाकार मचा है। इस युद्ध ने 21वीं सदी के सबसे बड़े ऊर्जा संकट को जन्म दिया है। हालांकि, सही फैसले, सटीक आंकलन, प्रभावी रणनीति और कूटनीतिक शक्ति का सकारात्मक इस्तेमाल करके भारत संकट से उबर पाया है।

पीएम मोदी ने किया दूसरे देशों से दोस्ती का जिक्र- अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि युद्ध के समय में भारत की दूसरे देशों के साथ दोस्ती बहुत काम आई। उन्होंने कहा कि जब ये संकट शुरू हुआ था, उससे पहले भारत 25-26 देशों से ईंधन का आयात करता था, लेकिन संकट के समय भारत की डिप्लोमेसी का जलवा दिख गया। दूसरे देशों के साथ हमारे अच्छे संबंध इस संकट की घड़ी में बहुत काम आए। उन्होंने कहा कि युद्ध के दौरान ही भारत 40 से ज्यादा देशों से ईंधन मंगाने लगा। भारत ने दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया कि हमारे लिए राष्ट्र के नागरिकों का हित सर्वोपरि है।

● **बहुत अफवाहें फैलाई गई, लोगों को डराया गया-** इसी बीच, प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष पर ईंधन संकट के बीच अफवाह फैलाने और राजनीतिक खेल खेलने के आरोप लगाए। विपक्ष पर इशारों-इशारों पर निशाना साधते हुए पीएम ने कहा कि बहुत अफवाहें फैलाई गई, लोगों को डराया गया, भड़काया गया, राजनीति के खेल खेले गए। लेकिन जिनके इरादे गलत थे, वो सफल नहीं हो पाए। दूर-सुदूर इलाकों में भी छोटी मोटी अड़चनों के अलावा ईंधन सप्लाई में कोई बड़ी चुनौती नहीं आई। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब सार्वजनिक तौर पर कुछ ताकतें अफवाह और आशंका फैलाने में व्यस्त थी, तब दिन-रात काम हो रहा था।

पीएम मोदी ने जताया जनता का आभार

पीएम मोदी ने इस दौरान देश की जनता का आभार भी प्रकट किया। उन्होंने कहा कि आज, मैं 140 करोड़ देशवासियों का आभार प्रकट करता हूं और उन्हें धन्यवाद कहता हूं। जिस तरह वे इस मुश्किल समय में देश के साथ मजबूती से खड़े रहे, जिस तरह देशवासियों ने अफवाह, डर और भ्रम फैलाने वालों का सामना किया। देश में अस्थिरता फैलाने की साजिशों को नाकाम किया, देश उसी विश्वास के भरोसे आगे बढ़ पाया है।

बाराबंकी में हाईवे पर बनेंगे दो ओवरब्रिज और 2 अंडरपास

● लखनऊ-अयोध्या राजमार्ग पर 170 करोड़ खर्च करेगी सरकार

लखनऊ (एजेंसी)। अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क हादसों में अंकुश व स्थानीय लोगों के सुरक्षित आवागमन के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) जल्द काम शुरू करने जा रहा है। जिले की सीमा में हाईवे पर दो ओवर ब्रिज और दो अंडर पास बनाने की तैयारी अंतिम चरण में है। सभी औपचारिकताएं समय से पूरी हो गई तो अक्टूबर माह से निर्माण कार्य शुरू होने की संभावना है। जिसका बजट 170 करोड़ बताया जा रहा है। करीब एक वर्ष पहले बनी इस परियोजना में चार ऐसे स्थानों को चिह्नित किया गया है, जहां लगातार बढ़ते यातायात और सड़क पार करने के दौरान होने वाले हादसों को देखते हुए स्थायी समाधान की जरूरत महसूस की गई थी। योजना के तहत सफेदाबाद और सफदरगंज चौराहा पर ओवर ब्रिज बनाए जाएंगे, जबकि सफदरगंज के दादरा और रामसनेहीघाट के भटरिया में अंडर पास का निर्माण होगा।

आपातकालीन सेवाओं में मिलेगा लाभ- इन स्थानों पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों, विद्यार्थियों और किसानों का प्रतिदिन आवागमन रहते हैं। लोगों को हाईवे पार करने के लिए तेज रफ्तार वाहनों के बीच से गुजरना पड़ता है, जिससे कई बार अवैध कट भी बना लिए जाते हैं।

5 महाद्वीप चाहते हैं संघ उनके कार्यकर्ताओं को ट्रेनिंग दे

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि संघ के चरित्र निर्माण के मॉडल ने दुनिया भर में दिलचस्पी पैदा की है। भारत और पांचों महाद्वीपों से लोग यह पूछने आ रहे हैं कि क्या आरएसएस कार्यकर्ता उन्हें ट्रेनिंग दे सकते हैं। वे अपने देशों में युवाओं को इसी तरह की मूल्यों पर आधारित ट्रेनिंग देना चाहते हैं। संघ प्रचारकों के जीवन और योगदान को दिखाने वाली सीरीज के 100वें वीडियो के लॉन्च पर बोलते हुए मोहन भागवत ने यह बात कही। आरएसएस चीफ ने कहा कि संघ का मिशन सिर्फ अच्छे चरित्र वाले लोग बनाने से कहीं आगे तक जाता है। उन्होंने कहा कि यह सफर अभी जारी है। अभी बहुत दूर जाना है। संघ का काम सिर्फ चरित्र निर्माण का उदाहरण पेश करने तक सीमित नहीं है।

किताबें पढ़कर या लेक्चर सुनाकर नहीं समझ सकते सिद्धांत- मोहन भागवत ने कहा कि संघ के सिद्धांतों को सिर्फ किताबें पढ़कर या लेक्चर सुनकर नहीं समझा जा सकता, बल्कि उन्हें जीवन में उतारकर ही समझा जा सकता है।

उत्तराखंड में 8.39 लाख और वोट काटने की तैयारी

देहरादून। चुनाव आयोग की प्री एसआईआर में मृत, शिफ्ट या अनुपस्थित होने के चलते 4.53 लाख मतदाताओं के वोट कटने के बाद अब एसआईआर में 8.39 लाख वोट और काटने की तैयारी है। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि ये भी ऐसे लोगों के वोट हैं, जो या तो मर चुके हैं या फिर कहीं शिफ्ट हो चुके हैं। ऐसे भी हैं जो कि दोहरे मतदाता थे या पते पर मौजूद नहीं मिले। 14 जुलाई को जारी होने वाली ड्राफ्ट मतदाता सूची से इनको अलग कर दिया जाएगा।

अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ.विजय कुमार जोगदंडे ने बताया कि राज्य में एक जुलाई 2026 की अर्हता तिथि के आधार पर आठ जून से सात जुलाई तक प्रदेश में गणनापत्रों के वितरण और डिजिटाइज का कार्य पूरा होना है। 79 लाख 60 हजार 762 मतदाताओं के सापेक्ष 70 लाख 98 हजार 501 मतदाताओं के फार्म डिजिटाइज कर दिए गए हैं।

14 जुलाई को वोटर लिस्ट से अलग कर दिए जाएंगे

अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 14 जुलाई 2026 को ड्राफ्ट रोल का प्रकाशन किया जाएगा। जो भी मतदाता अनकलेक्टेड श्रेणी के हैं, वे इस मतदाता सूची से अलग कर दिए जाएंगे। उनकी अलग से सूची राजनैतिक दलों व अन्य जगहों पर उपलब्ध कराई जाएगी। 14 जुलाई से 13 अगस्त के बीच दावे एवं आपत्तियों को दर्ज करने का समय दिया गया है। 14 जुलाई से 11 सितंबर 2026 तक नोटिस की अवधि एवं दावे आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 15 सितंबर को किया जाएगा। उन्होंने सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों से शत-प्रतिशत बूथ लेवल एजेंट्स नियुक्त करने की अपील की। 11,733 पोलिंग बूथ के सापेक्ष 23,102 बीएलए तैनात हैं।

4.53 लाख मतदाता प्री एसआईआर में कटे

उत्तराखंड में पिछले साल छह जनवरी को जारी मतदाता सूची में 84,29,459 मतदाता थे। इस साल जनवरी में नई सूची जारी नहीं हुई। इसके बजाए मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने एएसडी (अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृतक) सूची पर काम किया। नतीजतन प्री एसआईआर के बाद जो डाटा सामने आया, उसमें प्रदेश में 4,53,459 मतदाता हटा दिए गए थे। कुल संख्या करीब 79 लाख की बची थी। अब इसमें से करीब आठ लाख मतदाता और कटने के बाद संख्या 70 लाख तक बचेगी।

जिस बाथरूम में दफन थी पति की लाश, वहीं नहाती रही रूबी

● आगरा केस की छिपी कहानी, पति की हत्या करके बाथरूम में दफनाया, फर्श बनवाया

आगरा (एजेंसी)। आगरा में महिला ने पति की हत्या कर शव को घर के बाथरूम में दफना दिया। ऊपर से फर्श बनवा दी और उसी बाथरूम में रोजाना नहाती रही। 45 दिनों तक पुलिस और घरवालों को गुमराह किया। जांच के दौरान महिला पुलिस के साथ सीसीटीवी फुटेज देखती रही और रोने का नाटक करती रही। महिला के जेठ को उसके व्यवहार से शक हो गया। उसने महिला से कहा कि अगर कोई परेशानी हो तो वह साथ देगा। इसके बाद महिला ने जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर बाथरूम का फर्श तोड़ा, जहां से केवल कंकाल बरामद हुआ। महिला ने पुलिस को बताया कि उसका पति शराब पीकर उसके साथ मारपीट करता था। इसी वजह से उसने खीर में

18 से ज्यादा नींद की गोलियां मिलाकर पति को खिला दीं, जिससे उसकी मौत हो गई। मैंने जेठ को फोन कर राजस्थान से बुलाया, लेकिन उन्हें घर के अंदर नहीं आने दिया। मैं दोनों बच्चों और सास को घर से करीब 100 मीटर दूर ले गई और वहीं से तीनों को जेठ के साथ भेज दिया। इसके बाद शव को कमरे से खींचकर बाथरूम में ले गई और गड्ढा खोदकर दफना दिया। जेठ को बताया कि पति उससे झगड़ा कर 5 हजार रुपए लेकर चला गया है। फिर खुद भी राजस्थान चली गई। 8 दिन बाद लौटकर आई और मजदूर बुलवाकर बाथरूम में फर्श बनवा दी। सुरेंद्र शर्मा मूल रूप से राजस्थान के भरतपुर के रहने वाले थे। वे आगरा में पत्नी, बच्चों और मां के साथ रहते थे।

पति की हत्या करके बच्चों-सास को राजस्थान भेजा

राजस्थान के भरतपुर के रहने वाले सुरेंद्र कुमार शर्मा (44) सिकंदरा के दहतोरा स्थित रेणुका धाम कॉलोनी में रहते थे। उनकी शादी साल 2010 में रूबी से हुई थी। रूबी इटावा की रहने वाली है। उनकी दो बेटियां रिद्धी (13) और सिद्धी (9) हैं। सुरेंद्र के साथ उनकी मां कमला भी रहती थीं। उन्हें आंखों से कम दिखाई देता है। उनके पिता राधेश्याम शर्मा शिक्षक थे। उनकी कुछ साल पहले मौत हो चुकी है। बड़े भाई अनिल शर्मा ने बताया कि सुरेंद्र और रूबी के बीच अनबन रहती थी। 18 मई की सुबह 9-10 बजे रूबी का उनके पास फोन आया था। वह कह रही थी कि घर में पुलिस का कोई केस बन गया है, आप मम्मी और दोनों बच्चों को यहां से ले जाओ। मैंने उससे पूरी बात पूछी, लेकिन उसने कुछ बताया नहीं, बस तीनों को ले जाने के लिए कहा। रूबी ने यह भी कहा कि घर मत आना, मैंने तीनों को पास की दुकान पर बैठा दिया है।

एक नजर

सड़क कटिंग का मलबा स्रोत में डालने से हो रही मटमैले पानी की आपूर्ति

नई टिहरी। लोनिवि चंबा की लापरवाही के कारण थौलधार के ग्राम कोट और घोल्डवानी सुपाकोट के ग्रामीणों को पयेजल समस्या का सामना करना पड़ रहा है। विभाग की ओर से निर्माणाधीन ठांगधार–थौलधार मोटर मार्ग का मलबा गोलाखर्क गदेरे में डालने से जहां सुपाकोट का पेयजल योजना से जलापूर्ति ठप हो गई है वहीं कोट गांव में मटमैले पानी की आपूर्ति हो रही है।

इससे ग्रामीणों को एक–डेढ़ किमी दूर दूसरे गांव से पानी ढोना पड़ रहा है। परेशान ग्रामीणों ने मलबा रोकने के लिए दीवार लगाने और गांव में शुद्ध जलापूर्ति कराने की मांग की है। थौलधार ब्लॉक में लोनिवि की निर्माणाधीन ठांगधार–थौलधार सड़क का मलबा गोलाखर्क गदेरे में डाला जा रहा है जिससे इन दोनों गांवों का पेयजल स्त्रोत पूरी तरह से दब गया है। इस कारण घोल्डवानी गांव की जलापूर्ति बंद हो गई है जबकि कोट गांव में मटमैले पानी की आपूर्ति हो रही है।

गांव की प्रधान ममता भट्ट, महावीर प्रसाद भट्ट, रामलाल जोशी, उत्तम सिंह कठैत, सोहनलाल जोशी और खेम सिंह राणा ने बताया कि गोलाखर्क गदेरे में सड़क का मलबा डालने से दो गांव के लोग परेशान हैं। घोल्डवानी गांव की पेयजल योजना एक सप्ताह से बंद पड़ी है जबकि कोट गांव में पानी इतना मटमैला आ रहा है कि कपड़े धोने के काम भी नहीं आ रहा है।

बांध प्रभावितों का निशुल्क बिजली–पानी को लेकर धरना जारी

नई टिहरी। टिहरी बांध प्रभावितों का निशुल्क बिजली, पानी देने की मांग को लेकर टिहरी जन अधिकार संघर्ष मोर्चा का धरना बौराड़ी के गणेश चौक में 135 वें दिन भी जारी रहा। मोर्चा के संयोजक सागर भंडारी ने कहा कि जब आंदोलकारियों की मुख्यमंत्री से वार्ता नहीं करवाई जाती है,तब तक उनका धरना जारी रहेगा।

बीते शुक्रवार को खैट पर्वत पर संचालित अनशन सीएम से वार्ता करवाने के लिखित आश्वासन के बाद स्थगित किया गया है। कहा कि टिहरी बांध से प्रदेश सरकार को प्राप्त होने वाली 12 प्रतिशत रॉयल्टी से टिहरी बांध प्रभावितों को निशुल्क बिजली –पानी दिया जाए। शेष रकम को जिले की स्वास्थ्य, शिक्षा अन्य मूलभूत सुविधाओं पर खर्च किया जाए।

इससे पूर्व खैट पर्वत पर अनशन पर बैठे आंदोलकारियों के धरना स्थल पर पहुंचने पर धरने पर बैठे लोगों ने उनका फूल माला पहनाकर स्वागत किया। कहा कि बांध प्रभावितों को उनका अधिकार मिलने तक धरना जारी रहेगा। उन्होंने शासन–प्रशासन से शीघ्र उनकी मांगों का निराकरण करने की मांग उठाई है।

कांग्रेस ने संकल्प परिवर्तन यात्रा में भाजपा की नीतियों पर बोला हल्ला

चंबा (टिहरी)। कांग्रेस ने नगर क्षेत्र में परिवर्तन संकल्प यात्रा निकाली। पार्टी नेताओं ने भाजपा सरकार की जनविरोधी नितियों के खिलाफ हल्ला बोला। आरोप लगाया कि भाजपा के राज में महिला हिंसा, दुराचार, महंगाई और भष्ट्राचार में प्रदेश पहले स्थान पर है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुरारीलाल खंडवाल ने नेतृत्व में कांग्रेसियों ने नगर क्षेत्र में परिवर्तन संकल्प यात्रा निकाली।

इससे पूर्व उन्होंने वीसी गब्बर सिंह नेगी और अमर शहीद श्रीदेव सुमन की मूर्ति पर पुष्प अर्तिक कर श्रद्धाजलि दी। सभा में कांग्रेस के सह प्रभारी सुरेंद्र शर्मा ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवारों को विजय बनना हमारा संकल्प होना चाहिए। प्रदेश चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह ने कहा कि भाजपा की जुमले बाज सरकार को उखाड़ फेंकने का समय आ गया है। प्रतापनगर के विधायक विक्रम सिंह नेगी ने कहा कि अंकिता भंडारी से लेकर पिंकी नेगी तक जितने भी प्रकरण हुए हुए अधिकांश में भाजपा नेता और कार्यकर्ता संलिप्त है।

हेलिपैड का निरीक्षण किया

गोपेश्वर। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के मुख्य सतर्कता अधिकारी डॉ. निखिल के. कनोडिया ने शनिवार को बदरीनाथ, गोविंदघाट और घांघरिया में स्थित हेलिपैड का निरीक्षण किया। उन्होंने हेलिपैड के परिचालन क्षेत्र, आधारभूत संरचना, सुरक्षा प्रबंध व संचालन व्यवस्था का अवलोकन करते हुए अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के बाद उन्होंने बदरीनाथ मंदिर के दर्शन किए।

सेवा, सुशासन एवं समर्पण की भावना के साथ चमोली में सेवा पखवाड़े का शुभारम्भ

30 से अधिक विभागों ने लगाए स्टॉल, पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का मिला लाभ

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : सेवा, सुशासन एवं समर्पण की भावना को समर्पित ह्यसेवा पखवाड़ाह्व का शुभारम्भ शनिवार को जनपद मुख्यालय गोपेश्वर स्थित राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय परिसर में उत्साहपूर्वक किया गया। इस अवसर पर ऋषिकेश में आयोजित मुख्य कार्यक्रम से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के संबोधन का सीधा प्रसारण किया गया, जिसे बड़ी संख्या में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं आमजन ने देखा।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके उपरांत नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का अभिनंदन किया। कार्यक्रम में कृषि, समाज कल्याण, सैनिक कल्याण, महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, गृह, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, आयुष, पशुपालन, सहकारिता, सेवायोजन सहित 30 से अधिक विभागों ने अपने स्टॉल लगाए। इन स्टॉलों के माध्यम से आमजन को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई गई तथा पात्र लाभार्थियों को मौके पर ही विभिन्न योजनाओं का लाभ भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक थराली भूपाल राम टम्टा ने की। महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग की मुख्यमंत्री महालक्ष्मी योजना के अंतर्गत प्रियंका पत्नी आशीष, प्रेमा मेहता पत्नी गंगाराम चौहान, रेखता देवी पत्नी आशीष सिंह, ममता देवी पत्नी संदीप मलगाई, अनामिका पत्नी अभिषेक, डॉली रावत पत्नी यशपाल रावत को मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट प्रदान की गई। पशुपालन विभाग द्वारा दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राजेश, राजेन्द्र सिंह, गीता देवी एवं सुनीता सिंह को दुग्धारू पशुओं के लिए पोषक आहार (फीड सप्लीमेंट) वितरित किया गया।

कृषि विभाग द्वारा चयनित दस कृषकों को कृषि मिनी किट प्रदान की गई, जिसमें पावर वीडर एवं ब्रश कटर उपलब्ध कराए गए। कार्यक्रम में राज्य मंत्री हरक सिंह, रामचंद्र गौड़, अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष प्रेम सिंह राणा, जड़ी-बूटी सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष बलबीर घुनियाल, ब्लॉक प्रमुख बिनीता देवी, भेषज संघ अध्यक्ष सतेंद्र असवाल, बीकेटीसी के उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती, भाजपा जिलाध्यक्ष गजपाल बर्त्वाल, जिला महामंत्री अरुण मैठाणी, विनोद कनवासी, नगर पंचायत नंदप्रयाग अध्यक्ष पृथ्वी सिंह रौतेला, नगर पालिका परिषद गोपेश्वर के सभासद दीपक भट्ट, दीपक बिष्ट, संजय कुमार, गजेंद्र रावत, विक्रम सिंह बर्त्वाल, नवल भट्ट, रघुवीर सिंह बिष्ट, मोहन सिंह नेगी, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, परियोजना निदेशक आनंद सिंह भाकुनी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में जनसामान्य उपस्थित रहे।

मिनी मैराथन में सचिन, दिव्या रहे अव्वल

नशा मुक्त भारत शपथ के साथ संपन्न हुई मिनी मैराथन

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : सेवा, सुशासन एवं समर्पण के तहत सेवा सप्ताह मनाए जाने अवसर पर शनिवार को अगस्त्यमुनि क्रीड़ा मैदान में बालक व बालिका वर्ग में मिनी मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। बालक वर्ग में सचिन ने जबकि बालिका वर्ग में दिव्या ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रभारी जिला क्रीड़ा अधिकारी जयवीर सिंह रावत ने बताया कि ओपन वर्ग की 03 किमी. सिल्ली बाजार तक एवं ओपन बालिका वर्ग की 1.5 किमी. मिनी मैराथन दौड़ स्पोर्ट्स स्टेडियम अगस्त्यमुनि से सौरगढ़ पुल से वापस स्पोर्ट्स स्टेडियम अगस्त्यमुनि खेल मैदान में संपन्न की गई। बताया कि बालक वर्ग में सचिन पुत्र बीरबल सिंह ने तथा बालिका वर्ग में दिव्या पुत्री मनोज सिंह ने प्रथम स्थान हासिल किया। दिव्यांशु, अभिजीत, आयुष, रोहित व प्रियांशु ने क्रमशः पहले छह स्थान पर रहे। वहीं बालिका वर्ग में शिवानी, माधुरी, सिया, आरूषी व साक्षी ने पहले छह स्थान हासिल कर पुरस्कार प्राप्त किया। इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों को नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण अधिकारी टीआर मलेठा, जिला युवा कल्याण अधिकारी वरद जोशी, सहायक प्रशिक्षक एथलेटिक्स मनोज चौहान सहित मनवर सिंह, दीपक रावत, अजीत सिंह, रूचि भारती व अन्य मौजूद रहे।

डॉक्टरों की कमी और बदहाल सुविधाओं के विरोध में दिया धरना

कंडीसौड़ (टिहरी)। प्राथमिक स्वास्थ्य मैंडखाल की बदहाल व्यवस्थाओं में सुधार लाने की मांग को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों और व्यापारियों ने धरना दिया। शासन–प्रशासन पर मैंडखाल क्षेत्र की उपेक्षा का आरोप लगाया। जल्द ही डॉक्टरों के रिक्त पदों पर तैनाती, अस्पताल का उच्चीकरण समेत अन्य मांगों का निराकरण न होने पर बेमियादी आंदोलन शुरू करने की चेतावनी दी। उन्होंने समस्याओं के संबंध में मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री व सीएमओ को ज्ञापन भेजा। शनिवार को जिला पंचायत सदस्य सुनील जुयाल के नेतृत्व में स्थानीय लोगों ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मैंडखाल में धरना दिया। उन्होंने कहा कि अस्पताल में चिकित्सकों की कमी, एक्सरे की सुविधा,आवश्यक दवाइयां,जांच की सुविधा, आपातकालीन 108 सेवा आदि की सुविधाएं न होने के कारण दूर–दराज से आने वाले मरीजों को सुविधाएं नहीं मिल रहा है जिसके चलते छोटी–छोटी बीमारी के उपचार के लिए मरीजों को रेफर होना पड़ रहा है। जिला पंचायत सदस्य जुयाल ने कहा कि लंबे समय से अस्पताल की व्यवस्थाओं में सुधार की मांग की जा रही है।

कई बार जिला पंचायत से लेक क्षेत्र पंचायत की बैठक में बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था का मुद्दा उठाया गया है। लेकिन कोई सुधार नहीं हो रहा है। उन्होंने प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. मयंक रमोला के माध्यम ज्ञापन प्रेषित किया।

यूकेडी की बैठक में विधानसभा की चुनाव की तैयारियों पर चर्चा

नई टिहरी। उत्तराखंड क्रांति दल की बैठक में आगामी विधानसभा चुनावी तैयारियों पर चर्चा की गई। दल के जिलाध्यक्ष डीडी पंत की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में वक्ताओं ने कहा कि प्रदेश की जनता भाजपा और कांग्रेस की जनविरोधी नीतियों से परेशान होकर तीसरे विकल्प के रूप में यूकेडी को देख रही है।

बौराड़ी पार्टी कार्यालय में आयोजित बैठक में जिलाध्यक्ष डीडी पंत ने कहा कि उत्तराखंड राज्य निर्माण में यूकेडी की अहम भूमिका रही है। लेकिन भाजपा और कांग्रेस ने जनता से झूठे वादे कर सत्ता में काबिज हुई है। इसका खामियाजा आज उत्तराखंड के लोगों को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के जल, जंगल, जमीन और रोजगार पर डाका डाला जा रहा है।

कहा कि बौर गांव और रामगांव का ताजा मामला है, एक तरफ सरकार यहां भू–कानून लागू करने का ढ़ोंग कर रही है, दूसरी तरफ अपने आकाओं को खुश करने के लिए पंचायती जमीन की नीलामी के नाम पर गांव वालों की जमीन भूमाफियाओं को देने का षडयंत्र रचा जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता अब अपने संसाधनों की लूट और नहीं होने देंगी।

प्रदेश के 34 ग्रामीण मार्ग बंद, सबसे अधिक चमोली प्रभावित

हरिद्वार। प्रदेश में मानसून के सक्रिय होते ही मैदान से लेकर पहाड़ तक गर्मी से राहत मिली है। लेकिन मौसम के बदले पैटर्न और जलवायु परिवर्तन का सीधा असर तापमान पर देखने को मिल रहा है। शुक्रवार को भी कुछ ऐसा ही हुआ। लगातार दो दिनों से हो रही बारिश का सिलसिला थमा तो आधे दिन तक उमस और गर्म हवाओं ने झुलसाया। वहीं बारिश से प्रदेश के कई संपर्क मार्ग बंद है। राज्य में 34 मार्ग बंद है। इसमें सबसे अधिक चमोली जिला प्रभावित है। यहां दस मार्ग बंद है। मार्गों के बंद होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। राज्य में हुई बारिश के चलते बृहस्पतिवार को 32 मार्ग बंद हुए थे। बदरीनाथ हाईवे साढ़े 11 घंटे तक बंद रहा था। इसके कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा था। कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति भी बाधित हुई थी। शुक्रवार को भी प्रदेश के 34 ग्रामीण मोटर मार्ग बंद रहे।

देहरादून में दोस्तों के बीच खूनी संघर्ष

देहरादून, प्रेमनगर थाना क्षेत्र के दशहरा ग्राउंड में शनिवार शाम दो दोस्तों के बीच हुआ मामूली विवाद खूनी झड़प में बदल गया। मुजफ्फरनगर से घूमने आए एक युवक ने अपने ही साथी के पेट में किसी नुकीली वस्तु से वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर आरोपी की तलाश के लिए टीमों का गठन कर दिया है। पुलिस के अनुसार, शनिवार शाम थाना प्रेमनगर को सूचना मिली कि दशहरा ग्राउंड में एक युवक के पेट में नुकीली चीज से वार कर उसे घायल कर दिया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घायल की पहचान कृष्णा मलिक (25) निवासी ग्राम कज्जीखेड़ा, जनपद मुजफ्फरनगर (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई।

घायल के साथी नितिन ने पुलिस को बताया कि कृष्णा मलिक और उसका मित्र शिवानंद उर्फ शिवा, निवासी सिसोली, मुजफ्फरनगर, शनिवार को घूमने के लिए देहरादून आए थे। शाम करीब छह बजे दोनों दशहरा ग्राउंड प्रेमनगर पहुंचे। इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई, जो देखते ही देखते हाथापाई में बदल गई। आरोप है कि विवाद के दौरान शिवानंद उर्फ शिवा ने किसी नुकीली चीज से कृष्णा मलिक के पेट पर वार कर दिया और मौके से फरार हो गया। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने घायल युवक को तत्काल प्रेमनगर अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया। हालांकि चिकित्सकों के अनुसार फिलहाल घायल की हालत स्थिर बनी हुई है।

राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने विकास योजनाओं की दी सौगात

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि) एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को आईडीपीएल ग्राउंड, ऋषिकेश में सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम में देहरादून जनपद के विकास को नई गति प्रदान करते हुए 172.78 करोड़ लागत की 38 विकास योजनाओं का शिलान्यास तथा 46.50 करोड़ लागत की 13 योजनाओं का लोकार्पण किया। इस प्रकार उन्होंने कुल 219.29 करोड़ की 51 विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास कर जनपद को महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं की सौगात दी।

राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने 61.87 लाख की जनपद देहरादून के विधानसभा क्षेत्र सहसपुर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत भगवानपुर के अंतर्गत ललित मोहन भदोला के घर से भद्रकाली मन्दिर तक इन्टरलोकिंग टाईल्स द्वारा निर्माण कार्य, 66.41 लाख की लागत से विधानसभा क्षेत्र मसूरी मोटर मार्ग के किमी .13 से मालसी सम्पर्क मार्ग में इन्टरलोकिंग टाईल्स द्वारा सतह सुधार का कार्य, 132.52 लाख की लागत से विधानसभा क्षेत्र मसूरी दून विहार के आन्तरिक मार्गों का सुधारीकरण का कार्य, 210.61 लाख की लागत से देहरादून के विलासपुर मुख्य मार्ग से विलासपुर एनक्लेव तक मार्ग का इन्टरलोकिंग टाईल्स द्वारा निर्माण कार्य, 181.74 लाख की लागत से वार्ड नं0-8 सालावाला के आन्तरिक मार्गों एवं नालियों का निर्माण एवं सुधारीकरण का कार्य, 48.14 लाख की लागत से विधानसभा क्षेत्र सहसपुर के अन्तर्गत ग्राम डूंगा सुदामा के घर से बलवीर के घर तक इन्टरलोकिंग टाईल्स द्वारा निर्माण कार्य, 541.28 लाख की लागत से विधानसभा क्षेत्र मसूरी में न्यू कैंट रोड में कि.मी. 1 चौनेज 0.35 सालावाला में 20 मीटर आर.सी.सी. गर्डर सेतु का निर्माण कार्य, 536.10 लाख की लागत से विधानसभा क्षेत्र मसूरी में न्यू कैंट रोड कि की.मी. 2 चौनेज 1.625 में 30 मीटर स्पान पी.एस.सी. गर्डर सेतु (दो लेन) का निर्माण कार्य, 96.07 लाख की लागत से डोईवाला के वार्ड 99 में लक्ष्मीपुरम व प्रयाग एन्कलेव में इण्टरलॉकिग टाईल्स निर्माण का कार्य, 87.75 लाख की लागत से नकरौन्दा में नागेश्वर पुरम, चित्रा विहार आदि आन्तरिक मागी में इण्टरलॉकिग टाईल्स का निर्माण कार्य, 775.77 लाख की लागत से विधानसभा क्षेत्रान्तर्गत रायपुर मण्डल के अन्तर्गत 20 किमी. आपदा से क्षतिग्रस्त मुख्य व आन्तरिक मार्गों का नालियों सहित पुनः निर्माण का कार्य (भाग-2), 611.54 लाख की लागत से धर्मपुर के अन्तर्गत वार्ड नं. 89 हरभजवाला में चन्द्रबनी से हरभजवाला तक आसन नदी की सफाई व दोनों ओर पुश्ता निर्माण (द्वितीय चरण), 246.14 लाख की लागत से रायपुर विधानसभा के अन्तर्गत गुर्जर बस्ती से ओएसिस स्कूल तक सौंग नदी पर चौनेलाईजेशन का कार्य, 321.84 लाख की लागत से नगर निगम क्षेत्र के अन्तर्गत सुसवा नदी के दोनों तटो पर दूधा देवी पुल के अपस्ट्रीम में बाढ़ सुरक्षा योजना, 412.70 की लागत से डोईवाला विधानसभा क्षेत्र में दुल्हनी नदी के विभिन्न स्थानों पर यथा लक्ष्मण सिद्ध कालोनी, नकरोन्दा रोड (विवेक विहार एवं वायु विहार) निर्मल कालोनी, वनस्थलीपुरम एवं दिल्ली फार्म में बाढ सुरक्षा योजना, 460.45 लाख की लागत से रायपुर विकासखण्ड़ में डिफेन्स कॉलोनी एवं जोगीवाला बद्रीपुर में बहने वाले नाले में बाढ़ सुरक्षा कार्य, 99.06 लाख की लागत से विकासखण्ड चकराता के अन्तर्गत ग्राम पंचायत मठियाणा के ग्राम सुनौडा में पाईप नहर निर्माण की योजना, 79.78 लाख की लागत से जनजाति विकासखण्ड चकराता के अन्तर्गत दो नहरों (बानपुर एवं शेडिया) के जीर्णोद्धार की योजना, 97.15 लाख की लागत से विकासखण्ड चकराता के ग्राम पंचायत दसऊमें दसऊपाईप नहर एवं मुख्य टेंक से जल वितरण प्रणाली आफसूट निर्माण की योजना, 238.34 लाख की लागत से विकासखण्ड विकासनगर में ढलानी नहर निर्माण की योजना, 480.64 लाख की लागत से विकासखण्ड सहसपुर में नून नदी के दांये तट पर स्थित ग्राम दयानगर एंव जामुनवाला के खेल मैदान की बाढ़ सुरक्षा योजना, 186.28 की लागत से विधानसभा क्षेत्र कैंट के अन्तर्गत टौंस नदी के बांये तट पर स्थित स्वर्गआश्रम एंव गौशाला की सुरक्षा दीवार निर्माण की योजना, 344.33 लाख की लागत से डोईवाला विकासखण्ड में छिद्रवाला नहर, खदरी एवं गुलरानी नहर के पुनरोद्धार की योजना, 438.33 लाख की लागत से जनपद विकासखण्ड डोईवाला में बुल्लावाला नहर व हैड के पुनरोद्धार कार्य की योजना, 207.82 लाख की लागत से विकासखण्ड डोईवाला में शमशेरगढ़ माईनर नानक एकेडमी माईनर मालीमौल्ला माईनर, घिसरपड़ी माईनर हरींवाला माईनर के पुनरोद्धार कार्य की योजना, 418.83 लाख की लागत से ग्राम विकासखण्ड डोईवाला में बुल्लावाला नहर के कमाण्ड क्षेत्र वाली नहरों की पुनरोद्धार की योजना, 71.82 लाख की लागत से रिंग रोड़ नत्थनपुर, अलकनन्दा एन्कलेव विवेकानन्द ग्राम से राजेश्वरीपुरम् तक सिंचाई विभाग की पुरानी गूल का पुर्ननिर्माण / भूमिगत व मार्ग चौड़ीकरण का कार्य किया जायेगा, 422.53 लाख की लागत से रायपुर के अंतर्गत लोहे के पुल से सौंग पुल तक बाढ़ सुरक्षा कार्य का निर्माण, 70.24 लाख की लागत से रायपुर विकास खण्ड में कालंगा गंगा नहर के के मध्य दुनाली के पास खुली नहर पर कवरिंग का कार्य, 92.98 लाख की लागत से कांवली नहर की हरवंशवाला माइनर एवं गूलों के सुदृढ़ीकरण एवं आधुनिकीकरण का कार्य योजना, 21.04 लाख की लागत से ग्राम पंचायत खदरी खड़कमाफ, विकासखण्ड डोईवाला में निर्मित अमृत सरोवर को पर्यटन एवं वॉटर स्पोर्ट्स की दृष्टि से विकसित किये जाने सम्बन्धी कार्य, 250 लाख की लागत से उत्तराखण्ड औद्यानिक एकीकृत विकास सोसायटी के पी.एम.यू. कार्यालय भवन का निर्माण, 33.05 लाख राजकीय प्राथमिक विद्यालय बद्रीपुर का पुर्ननिर्माण कार्य, 489.04 लाख की लागत से ग्राम माजरी विकासखण्ड डोईवाला के अन्तर्गत निराश्रित गौवंश के संरक्षण हेतु गौशाला / शरणालय का निर्माण, 190.59 लाख की लागत से ग्राम भोपालपानी विकासखण्ड रायपुर के अन्तर्गत निराश्रित गौवंश के संरक्षण हेतु गौशाला / शरणालय का निर्माण, 5102 लाख की लागत से मसूरी डायवर्जन चौक, देहरादून से लाईब्रेरी चौक, मसूरी तक एल.ई.डी. स्ट्रीट लाईटिंग मय पोल्स का कार्य, 2750 लाख की लागत से आई.एस.बी.टी. देहरादून में निर्माण, सुदृढ़ीकरण एवं उच्चीकरण का कार्य, 499.50 लाख की लागत से मसूरी विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत झड़ीपानी ट्रैक पर लैण्डसकेपिंग/सौन्दर्यीकरण का कार्य का शिलान्यास किया।

इन विकास योजनाओं का हुआ लोकार्पण

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि) एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 60.65 लाख की लागत से जनपद देहरादून के विधानसभा क्षेत्र रायपुर में ग्राम पंचायत द्वारा के राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय से कुण्ड घराट तक सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य, 62.77 लाख की लागत से विधान सभा क्षेत्र डोईवाला के वार्ड नं0 5 एवं ग्राम पंचायत रानीपोखरी में आन्तरिक मागी का इण्टरलॉकिंग टाईल्स द्वारा निर्माण कार्य, 70.75 लाख की लागत से विधान सभा क्षेत्र डोईवाला में हरिद्वार मुख्य मार्ग के वैष्णौ माता मन्दिर से गढवाल बिस्कुट फैक्ट्री के गेट नं0-2 तक पी.सी. व इण्टरलॉकिग टाईल्स एंव चॉदमारी के आन्तरिक मार्गों का इण्टरलॉकिंग टाईल्स द्वारा निर्माण कार्य, 625.40 लाख की लागत से विकासखण्ड डोईवाला में बडे पशुओं हेतु स्टेट ऑफ आर्ट पशु चिकित्सालय के कार्य, 180.28 लाख की लागत से सुद्धोवाला कारागार में विडियो कॉनफ्रैन्सिंग फेसिलिटी के निर्माण कार्य, 128.21 लाख की लागत से राजकीय बालिका इण्टर कालेज, अजबपुरकला, रायपुर, देहरादून में भवन निर्माण, 205.12 लाख की लागत से डोईवाला विकास खण्ड में मियांवाला नहर के कमाण्ड में 3.50 किमी पक्की गूलों के नव निर्माण की योजना, 449.48 लाख की लागत से विधानसभा क्षेत्र डोईवाला में धारकोट से लडवाकोट मोटर मार्ग (अपग्रेडेशन), लम्बाई 5.20 कि.मी. का कार्य, 752 लाख की लागत से हरिपुर कालसी में स्नान घाट का निर्माण, 247.60 लाख की लागत से जनपद देहरादून के मसूरी विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत बालासुन्दरी कैनाल रोड, गंगोत्री विहार के पास रिस्पना नदी के किनारे पार्क विकसित करने का कार्य, 390 लाख की लागत से रायपुर विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत मियांवाला पंचायत घर के पास गन्ना सैंटर के समीप भूमि पर पार्क निर्माण के तहत लैंडसकेपिंग / सौन्दर्गीकरण का कार्य, 863.80 लाख की लागत से रायपुर विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत मियांवाला स्थित जोहडी की भूमि पर पार्क का सौन्दर्गीकरण का कार्य, 614.33 लाख की लागत से रायपुर विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत गौरादेवी पार्क एवं कृत्रिम झील में सौन्दर्याकरण का कार्य का लोकार्पण किया।

एक नजर

चोरों ने उड़ाए लोहे के एंगल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : बालासौड़ क्षेत्र में असामाजिक तत्वों का आतंक बढ़ता जा रहा है। चोर एक बगीचे के आसपास लगे लोहे के एंगल उखाड़कर ले गए।

इस संबंध में अधिवक्ता अरूण कुमार भट्ट ने पुलिस को तहरीर दी। बताया कि कुछ समय से क्षेत्र में कानून व्यवस्था बेपटरी होती जा रही है। रात के समय असामाजिक तत्व घूमते रहते हैं। बताया कि गत रात बालासौड़ स्थित उनके बगीचे के आसपास लगे लोहे के एंगल अज्ञात बदमाश निकालकर ले गई। उन्होंने पुलिस से मामले में सख्ती दिखाने की मांग की है।

धराली 59 आपदा प्रभावितों के पुनर्वास के लिए की गई भूमि चिह्नित

उत्तरकाशी। आपदा प्रभावित धराली के प्रभावित परिवारों को दोबारा बसाने के लिए भू–वैज्ञानिकों और राजस्व विभाग की ओर से भूमि चिह्निकरण किया जा रहा है। संयुक्त टीम की ओर से ग्रामीणों के साथ धराली गांव के सात ताल क्षेत्र व अग्यारी और पछ्यारी तोक में 59 प्रभावित परिवारों के भवन निर्माण के लिए भूमि चिह्नित की गई है। इसमें पांच परिवारों के लिए जनपद मुख्यालय के समीप बड़ेथी में भूमि चिह्नित की जाएगी।

गत वर्ष अगस्त माह में खीर गंगा में आई आपदा के कारण धराली में कई भवन, होटल और होमस्टे जमींदोज हो गए थे। उसके बाद से आपदा प्रभावित लगातार उनके पुर्नवास की मांग कर रहे थे। जिला प्रशासन की ओर से आपदा प्रभावित 115 लोगों की सूची तैयार की गई। उसके बाद ग्रामीणों से उनके पुनर्वास के लिए भूमि चयन के संबंध में पूछा गया।

इस पर कई ग्रामीणों ने धराली के विभिन्न तोकों में पुनर्वास के लिए भूमि चयनित करने की मांग की गई। जिला प्रशासन की ओर से इस सप्ताह भू–वैज्ञानिक और राजस्व विभाग की टीम ने ग्रामीणों के साथ धराली के सात ताल क्षेत्र और अग्यारी और पछ्यारी नामक तोक में भूमि का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान 59 परिवारों के लिए भूमि चिह्नित की गई।

मां राजराजेश्वरी व बाणासुर महाराज 80 साल बाद यमुनोत्री–गंगोत्री पहुंचे

उत्तरकाशी। रुद्रप्रयाग जिले के गुप्तकाशी क्षेत्र के लंगोड़ी गांव की आराध्य देवी मां राजराजेश्वरी और बाणासुर महाराज की ऐतिहासिक देवरा यात्रा करीब 80 वर्ष बाद यमुनोत्री और गंगोत्री धाम पहुंची। इस दौरान ग्रामीणों ने दोनों धामों में अपने आराध्य देवी डोलियों के साथ ही मां यमुना और गांगा की विशेष पूजा–अर्चना की। देवरा यात्रा समिति के अध्यक्ष पुष्पेंद्र प्रकाश शुक्ला व मुकेश नौटियाल ने बताया कि यह धार्मिक यात्रा 26 जून को लंगोड़ी गांव, गुप्तकाशी से विधि–विधान और पूजा–अर्चना के साथ शुरू हुई थी। यात्रा सबसे पहले श्रीनगर स्थित मां धारी देवी मंदिर पहुंची। यहां विशेष पूजा के बाद देवप्रयाग, ऋषिकेश और हरिद्वार होते हुए यमुनोत्री एवं गंगोत्री धाम के दर्शन किए गए। कहा कि दोनों धामों में देवरा यात्रा का लगभग 80 वर्षों बाद पहुंचना धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है। इससे श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। वहीं, उत्तरकाशी जनपद मुख्यालय पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने पारंपरिक वाद्ययंत्रों और जयकारों के साथ देवरा यात्रा का स्वागत किया। इस दौरान स्थानीय लोगों ने मां राजराजेश्वरी और बाणासुर महाराज की डोलियों की विशेष पूजा–अर्चना की गई। श्रद्धालुओं ने देव डोलियों के समक्ष मत्था टेककर अपने परिवार की खुशहाली और क्षेत्र की समृद्धि की कामना की। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष सुबोध बगवाड़ी, पंचायत सदस्य मनीष बगवाड़ी, अजय जुगरण, किशन अवस्थी, नरेंद्र शर्मा, भास्कर आनंद पोस्ती, राजेश पोस्ती, सुरेश बगवाड़ी, दिनेश बगवाड़ी, मुकेश नौटियाल, भवना नौटियाल, डॉ. अरविंद नौटियाल, पवन मौजूद रहे।

भटवाड़ी में केवि खोलने की मांग पर अड़े ग्रामीण

उत्तरकाशी। भटवाड़ी में केवि खोलने और गंगोत्री हाईवे सड़क चौड़ीकरण सहित तीन सूत्रीय मांग को लेकर ग्रामीणों का शनिवार को दसवें दिन भी धरना जारी रहा। धरना स्थल पर आंदोलनकारियों ने शासन प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए जल्द कार्रवाई की मांग दोहराई। वहीं, पूर्व प्रमुख विनीता रावत ने इस संबंध में गढ़वाल आयुक्त और सीएम सचिव से मिलकर क्षेत्रीय जनता की इन मांगों को लेकर उन्हें ज्ञापन दिया। भटवाड़ी के रामलीला मैदान में क्षेत्रीय ग्रामीण पिछले दस दिनों से धरने पर बैठे हैं। विभिन्न गांवों के लोग बारी–बारी से धरना स्थल पर पहुंचकर आंदोलन को समर्थन दे रहे हैं। आंदोलनकारियों का कहना है कि भटवाड़ी सीमांत क्षेत्र होने के कारण यहां गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए केंद्रीय विद्यालय की स्थापना अत्यंत आवश्यक है। साथ ही गंगोत्री धाम यात्रा का प्रमुख पड़ाव होने के कारण गंगोत्री हाईवे का जल्द चौड़ीकरण भी जरूरी है। धरना स्थल पर वक्ताओं ने यह भी आरोप लगाया कि तहसील में अधिकारी और कर्मचारी नियमित रूप से नहीं बैठते, जिससे आम लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने मांग की कि वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी नियमित रूप से तहसील मुख्यालय में उपलब्ध रहें। पूर्व प्रमुख विनीता रावत ने बताया कि उन्होंने क्षेत्रीय जनता की मांग पर मुलाकात के दौरान गढ़वाल आयुक्त विनय शंकर पांडे ने जिला स्तर पर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश देने व केंद्रीय विद्यालय की स्थापना के प्रस्ताव को प्राथमिकता से आगे बढ़ाने का आश्वासन दिया। धरना स्थल पर आकाश नेगी, विपिन राणा, संदीप राणा, विवेक नौटियाल, प्रीतम, संदीप रावत, महेंद्र, राजकेंद्र थनवाण, यजवेंद्र रावत आदि मौजूद रहे।

पीएम के सहयोग से राज्य में विकास को नई गति मिली : बहुगुणा

उत्तरकाशी। सेवा, सुशासन और समर्पण के संकल्प के साथ जन–जन की सरकार, जन–जन के द्वार कार्यक्रम के तहत शनिवार से जिला स्तरीय सेवा पखवाड़े का शुभारंभ हुआ। कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित मुख्य समारोह में प्रदेश के कैबिनेट एवं जनपद प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा ने अभियान का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों की ओर से जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रदर्शनियां एवं स्टॉलों का मंत्री ने निरीक्षण किया। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के उत्तराखंड के प्रति विशेष लगाव के कारण राज्य में विकास कार्यों को नई गति मिली है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में समान नागरिक संहिता, सख्त नकल विरोधी कानून और दंगा विरोधी कानून जैसे ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं। महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 33 प्रतिशत और खिलाड़ियों को चार प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण दिया गया है। उन्होंने बताया कि दो लाख से अधिक महिलाओं को लखपति दीदी बनाकर आर्थिक रूप से सशक्त किया गया है। गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में 23 करोड़ रुपये की लागत से क्रिटिकल केयर अस्पताल का निर्माण, 113 करोड़ रुपये की लागत से आस्था पथ व एक अरब रुपये से अधिक की सड़क परियोजनाओं पर कार्य जारी है।

आमसौड़ के दो विद्यालयों के क्लस्टर में समायोजन का विरोध

अभिभावकों ने दी आंदोलन की चेतावनी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : दुगड्डा विकासखंड के आमसौड़ स्थित राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय और राजकीय बालिका इंटर कॉलेज को क्लस्टर विद्यालय में समायोजित किए जाने के शिक्षा विभाग के निर्णय का क्षेत्रीय अभिभावकों और ग्रामीणों ने कड़ा विरोध किया है। उन्होंने विद्यालयों को यथावत संचालित रखने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि आदेश वापस नहीं लिया गया तो व्यापक आंदोलन किया जाएगा।

उपजिलाधिकारी को ज्ञापन देते जनप्रतिनिधि व अन्य

शनिवार को पूर्व ब्लॉक प्रमुख रूचि कैंत्यूरा, क्षेत्र पंचायत सदस्य अंजू देवी तथा अभिभावक-शिक्षक संघ के अध्यक्ष त्रिलोक सिंह के नेतृत्व में बड़ी संख्या में ग्रामीण और अभिभावक तहसील परिसर पहुंचे। उन्होंने उपजिलाधिकारी संदीप कुमार के माध्यम से शिक्षा मंत्री और जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर समायोजन के आदेश को निरस्त करने की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि आमसौड़ के दोनों विद्यालयों में पर्याप्त छात्र संख्या होने के बावजूद उन्हें क्लस्टर विद्यालय में शामिल करने के आदेश जारी किए गए हैं। अभिभावकों ने बताया कि पिछले वर्ष भी ऐसे ही आदेश जारी होने पर क्षेत्रवासियों ने विरोध प्रदर्शन किया था, जिसके बाद मामला शांत हुआ था। लेकिन इस वर्ष फिर से मुख्य शिक्षा अधिकारी की ओर से समायोजन के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि आमसौड़, जमरगड्डी, झवाणा, सुनारी, नेगणी, गाज, धरियालसार और झिंडी डांडा सहित कई गांवों के छात्र-छात्राएं प्रतिदिन करीब पांच किलोमीटर पैदल चलकर इन विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण करने आते हैं। ऐसे में विद्यालयों के समायोजन से बच्चों को अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ेगी, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित होगी। अभिभावकों ने यह भी कहा कि कोटद्वार-दुगड्डा मोटर मार्ग भूस्खलन की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र है, जहां आए दिन पहाड़ियों से पत्थर गिरने की घटनाएं होती रहती हैं। ऐसे हालात में बच्चों को दूर स्थित क्लस्टर विद्यालय भेजना उनकी सुरक्षा के साथ समझौता होगा। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों और विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दोनों विद्यालयों की वर्तमान व्यवस्था बरकरार रखने की मांग की। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो क्षेत्रवासी आंदोलन करने को मजबूर होंगे। ज्ञापन सौंपने वालों में पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य कुंदन सिंह, भागेश्वरी देवी, सरस्वती देवी, सुमन देवी, पुष्पा देवी, ज्योति देवी, रेखा देवी, सुनीता देवी, अनिल सिंह, बलवंत सिंह और वीरेंद्र सिंह सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

समूह बीमा योजना लागू करने की मांग

श्रीनगर गढ़वाल : एचएनबी गढ़वाल विवि में कार्यरत कर्मचारियों के दिवंगत होने की स्थिति में उनके परिवारों और आश्रितों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय में समूह बीमा योजना लागू करने की मांग उठी है। इस संबंध में विवि के तकनीकी सहायक मनोज नेगी ने विवि कुलपति को दिए ज्ञापन में कहा कि वर्तमान में विवि के राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) से आच्छादित पांच कर्मचारी सेवा के दौरान दिवंगत हो चुके हैं। ऐसे मामलों में उनके परिवारों को आर्थिक और सामाजिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कहा कि एनपीएस कर्मचारियों के आश्रितों को पुरानी पेंशन योजना की तरह पारिवारिक पेंशन का लाभ नहीं मिलता तथा एनपीएस कोष से मिलने वाली पेंशन भी काफी कम होती है।

11 साल बाद परिवार से मिली फातिमा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : उत्तर प्रदेश के नजीबाबाद स्थित करुणाधाम आश्रम से एक भावुक कर देने वाला पल सामने आया है। करीब 11 वर्ष पहले घर से बिछड़ी नेपाल सीमा क्षेत्र के चिमटाव गांव निवासी फातिमा आखिरकार अपने परिजनों से मिल गई। इस पुनर्मिलन में सामाजिक कार्यकर्ता इंदू नौटियाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। करुणाधाम आश्रम की सुपीरियर सिस्टर जसल ने बताया कि फातिमा मानसिक रूप से अस्वस्थ होने के कारण करीब 11 वर्ष पहले अपने घर से निकल गई थी। वर्ष 2020 में नजीबाबाद थाना पुलिस ने उसे बेसहारा और विक्षिप्त अवस्था में मिलने पर करुणाधाम आश्रम में भर्ती कराया था। आश्रम में फातिमा के रहने, भोजन और उपचार की समुचित व्यवस्था की गई। लंबे उपचार और देखभाल के बाद उसकी मानसिक स्थिति में सुधार हुआ। स्वस्थ होने पर उसने अपना नाम और अपने गांव की जानकारी दी। इसके बाद सामाजिक कार्यकर्ता इंदू नौटियाल ने सक्रिय पहल करते हुए फातिमा के गांव और उसके परिजनों का पता लगाया तथा उनसे संपर्क स्थापित किया। सूचना मिलने पर फातिमा के परिजन करुणाधाम आश्रम पहुंचे, जहां वर्षों बाद अपनों से मिलकर फातिमा और उसके परिवार की आंखें नम हो गईं। औपचारिकताएं पूरी होने के बाद आश्रम प्रशासन ने फातिमा को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। विदाई के समय आश्रम के सभी सदस्य भावुक हो उठे और नम आंखों से फातिमा को उसके घर के लिए विदा किया। आश्रम प्रशासन ने इस सफल पुनर्मिलन का श्रेय सामाजिक कार्यकर्ता इंदू नौटियाल के प्रयासों और आश्रम में मिले निरंतर उपचार एवं देखभाल को दिया।

मुख्य शिक्षा अधिकारी पद पर पदोन्नत, रणजीत सिंह नेगी को शिक्षकों ने दी विदाई

रणजीत सिंह नेगी को सम्मानित करते शिक्षक

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) पौड़ी रणजीत सिंह नेगी के मुख्य शिक्षा अधिकारी, नैनीताल पद पर पदोन्नत होने का शिक्षकों ने स्वागत किया है। शनिवार को राजकीय इंटर कॉलेज, कोटद्वार में सम्मान एवं विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में शिक्षकों और शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दी।

वक्ताओं ने कहा कि पौड़ी जिले में अपने दो वर्ष के कार्यकाल के दौरान रणजीत सिंह नेगी ने शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने, विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाने और विभागीय कार्यों में पारदर्शिता लाने के लिए उल्लेखनीय कार्य किए। उन्होंने अपनी ईमानदार, निष्पक्ष और कर्तव्यनिष्ठ कार्यशैली से न केवल प्रशासनिक स्तर पर बल्कि शिक्षकों के बीच भी विशेष पहचान बनाई। वक्ताओं का कहना था कि श्री नेगी ने विभाग और शिक्षकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए कई सकारात्मक पहल कीं, जिनका सीधा लाभ विद्यार्थियों और विद्यालयों को मिला। उनके सरल स्वभाव, स्पष्ट कार्यशैली और समस्याओं के त्वरित समाधान के प्रयासों को भी सभी ने सराहा। इस अवसर पर माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय महामंत्री महावीर सिंह बिष्ट, राजकीय शिक्षक संघ के मंडलीय मंत्री मनमोहन सिंह चौहान, पूर्व प्रधानाचार्य मनवरलाल भारती, प्रधानाचार्य मुकेश रावत, पुष्कर सिंह नेगी सहित कई शिक्षकों ने अपने विचार व्यक्त किए और उनके सफल कार्यकाल को याद किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. पदमेश बुड़ाकोटी ने किया। अंत में शिक्षकों ने रणजीत सिंह नेगी को पुष्पगुच्छ, स्मृति चिह्न और शॉल भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य और नई जिम्मेदारी के सफल निर्वहन के लिए शुभकामनाएं दीं।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे सभी दस्तावेजों में मेरा नाम खुशहाल सिंह (KHUSHAHAL SINGH) व जन्मतिथि दिनांक 06/04/1970 भूलवश गलत दर्ज हो गया है। जबकि मेरा सही व वास्तविक नाम खुशहाल सिंह (KHUSAL SINGH) व सही व वास्तविक जन्मतिथि दिनांक 08/07/1969 है। मेरे सभी दस्तावेजों में मेरा सही व वास्तविक नाम खुशहाल सिंह (KHUSAL SINGH) व जन्मतिथि दिनांक 08/07/1969 लिखी व पढ़ी जाए।

खुशहाल सिंह पुत्र श्री केवल सिंह निवासी वार्ड नं0-01, ग्राम ग्रास्टनगंज, पो0ओ0 कुम्भीचौड़, पट्टी सनेह, तहसील कोटद्वार, जिला पौडी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(0548/21)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे शैक्षणिक दस्तावेजों में मेरा नाम सोनाली (SONALI) पुत्री अशोक (ASHOK) अंकित है। जबकि मेरे आधारकार्ड, पैनकार्ड व अन्य दस्तोवेजों में मेरा नाम सोनाली कुकरेती (SONALI KUKRETI) पुत्री अशोक कुकरेती (ASHOK KUKRETI) अंकित है। उपरोक्त दोनों नाम सोनाली (SONALI) पुत्री अशोक (ASHOK) एवं सोनाली कुकरेती (SONALI KUKRETI) पुत्री अशोक कुकरेती (ASHOK KUKRETI) एक ही महिला यानि मेरे ही नाम हैं। भविष्य में मुझे सोनाली कुकरेती (SONALI KUKRETI) पुत्री अशोक कुकरेती (ASHOK KUKRETI) के नाम से जाना, पहचाना व पढ़ा लिखा जाय।

सोनाली कुकरेती पुत्री अशोक कुकरेती, निवासी 304 /244 कृष्ण नगर, सिरमोर टि स्टेट लेबर लाइन देहरादून, उत्तराखण्ड।

(0549/21)

स्रूटों पर ढाबों की मनमानी का पूर्व सैनिकों ने किया विरोध

पूर्व सैनिक संघर्ष समिति ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पूर्व सैनिक संघर्ष समिति ने उत्तराखंड परिवहन निगम की बसों के निर्धारित पड़ावों पर संचालित ढाबों में मनमानी वसूली, साफ-सफाई की कमी और अन्य अव्यवस्थाओं का आरोप लगाते हुए सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग की है। समिति ने उपजिलाधिकारी संदीप कुमार के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर यात्रियों की सुविधाएं सुनिश्चित करने की मांग उठाई।

समिति के अध्यक्ष महेंद्र पाल सिंह रावत ने कहा कि परिवहन निगम की बसें जिन अधिकृत ढाबों पर रुकती हैं, वहां यात्रियों से खाद्य एवं पेय पदार्थों के मनमाने दाम वसूले जाते हैं। अधिकांश ढाबों के बाहर मूल्य सूची प्रदर्शित नहीं होती, जिससे यात्रियों को निर्धारित कीमतों की जानकारी नहीं मिल पाती और उनसे अधिक राशि वसूली जाती है। उन्होंने कहा कि कई ढाबों में शौचालयों की स्थिति भी बेहद खराब है। साफ-सफाई के अभाव में यात्रियों, विशेषकर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है। उनका कहना था कि यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना परिवहन व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन इस ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा। समिति ने मांग की कि उत्तराखंड परिवहन निगम के सभी अधिकृत पड़ावों का संभागीय परिवहन अधिकारी और खाद्य सुरक्षा अधिकारी नियमित रूप से मासिक निरीक्षण करें। साथ ही सभी ढाबों पर खाद्य एवं पेय पदार्थों की मूल्य सूची बड़े अक्षरों में अनिवार्य रूप से प्रदर्शित कराई जाए तथा स्वच्छता के मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए। ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि नियमों का उल्लंघन करने वाले ढाबों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए उनके लाइसेंस निरस्त किए जाएं और परिवहन निगम के साथ किए गए अनुबंध समाप्त किए जाएं। इस दौरान अनुसुया प्रसाद सेमवाल, गोपाल सिंह, ताजबर सिंह, जीत सिंह, राजमोहन, रतन सिंह, बिजेंद्र सिंह और परविंदर रावत सहित पूर्व सैनिक संघर्ष समिति के कई पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

उपजिलाधिकारी को ज्ञापन देते पूर्व सैनिक

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मंडल यांत्रिक अभियंता मुरादाबाद के द्वारा ई–टेंडर संख्या MC-15-HAHW-MB_26 के अंतर्गत निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसके बंद होने की तिथि व समय 24.07.2026 को 15:30 बजे है जो बंद होने के बाद किसी भी समय वैबसाइट पर खोले जाएगे। इस निविदा के अंतर्गत मैनुअल ऑफर स्वीकार्य नही होगे। टेंडर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

विभाग	सी & डब्लू	टेंडर सं०	MC-15-HAHW-MB_26
कार्य का नाम	"Supply, Installation and Commissioning of 12 Nos. HAHW Systems at various locations over Moradabad Division with 05 years of CAMC and need base dismantle & re-installation of the HAHW Systems".		
निविदा टाइप	खुली	बिडिंग स्टाइल	एकल पैकेट सिस्टम
निविदा बंद होने की दिनाँक एवं समय		24.07.2026 15:30 बजे	
एडवेरटाइज्ड वेल्यू	5,06,69,200.00/-रुपये	ऑफर की वैधता	60 दिन

No:- MC-15-HAHW-MB-26 Date 03.07.2026 2287/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

42 घंटे बाद बहाल हुई जागेश्वर धाम समेत पूरे क्षेत्र की बिजली

जागेश्वर (अल्मोड़ा)। विश्व प्रसिद्ध जागेश्वर धाम समेत पूरे क्षेत्र में आखिरकार करीब 42 घंटे बाद शाम विद्युत आपूर्ति बहाल हो गई। लंबे समय तक बिजली गुल रहने से श्रद्धालुओं, व्यापारियों और स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। बिजली आने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

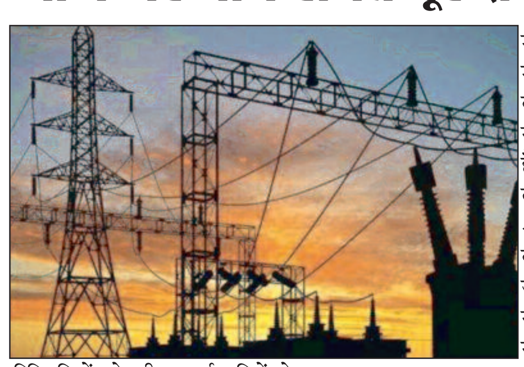

बिजली विभाग के एसडीओ अजय भारद्वाज ने बताया कि जंगल क्षेत्र में 33 केवी विद्युत लाइन का तार गिरने से आपूर्ति बाधित हो गई थी। दुर्गम क्षेत्र और प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच कर्मचारियों ने लगातार मरम्मत कार्य किया। कड़ी मशक्कत के बाद शुक्रवार शाम करीब छह बजे विद्युत आपूर्ति सुचारु कर दी गई। गौरतलब है कि बिजली गुल रहने के दौरान जागेश्वर धाम में श्रद्धालुओं को मोबाइल टॉर्च की रोशनी में दर्शन करने पड़े, जबकि व्यापारियों और स्थानीय लोगों को भी विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ा।

छावनी परिषद् लैन्सडौन (पौड़ी गढ़वाल)

कोटेशन नोटिस

छावनी परिषद् चिकित्सालय लैन्सडौन हेतु दवाइयों, शल्य सामग्री, एक्स-रे फिल्म, लैब सामग्री, ड्रेसिंग, फिजियोथेरपी सामग्री इत्यादि हेतु इच्छुक सप्लायरों / वितरकों/ उत्पादकों से ऑनलाईन कोटेशन www.defproc.gov.in वेबसाईट पर आमंत्रित की जाती है। जिसका विवरण निम्न प्रकार से है :–

कोटेशन फार्म ऑन लाईन भरने की तारीख	27 जुलाई 2026 समय 1100 बजे तक
कोटेशन खोलने की तारीख	28 जुलाई 2026 समय 1130 बजे

कोटेशन फार्म www.defproc.gov.in वेबसाईट पर ऑनलाईन भरे जाएंगे व कोटेशन से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी, नियम व शर्ते भी इसी वेबसाईट पर देखी जा सकती है।

पत्रांक सं0 1110/ दवाईयॉ/26-27/छा0परि0 — **मुख्य अधिशासी अधिकारी**

दिनॉक:.............जुलाई 2026 — **छावनी परिषद् लैन्सडौन।**

लंबित 140 शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया जल्द शुरू होने की उम्मीद

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय में लंबे समय से लंबित 140 शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया अब जल्द शुरू होने की उम्मीद है। विवि प्रशासन ने असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर पदों के लिए तैयार 200 प्वाइंट आरक्षण रोस्टर एवं पीडब्ल्यूबीडी रोस्टर विवि की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। इसके साथ ही रोस्टर पर सात दिनों में आपत्तियां और सुझाव आमंत्रित किए गए हैं।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव की ओर से जारी परिपत्र के अनुसार यदि किसी को रोस्टर के संबंध में कोई आपत्ति हो तो वह परिपत्र जारी होने की तिथि से सात दिन में अपनी आपत्ति लिखित रूप में कुलसचिव कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि के बाद प्राप्त होने वाली आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा। विश्वविद्यालय की रोस्टर समिति के संयोजक प्रो. दीपक कुमार के अनुसार सभी संकायों में शिक्षक संवर्ग के रिक्त पदों के लिए रोस्टर तैयार करने का कार्य पूरा हो चुका है। 48 विषयों में 140 से अधिक पदों के लिए 200 प्वाइंट रोस्टर तैयार किए गए हैं। रोस्टर को सभी आरक्षण संबंधी प्रावधानों के अनुरूप अंतिम रूप दिया गया है। अब प्राप्त होने वाली आपत्तियों के निस्तारण के बाद भर्ती प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जाएगा।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/मुख्यालय/मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आमंत्रित किये जाते हैं। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

Tender No. Date	88-DRM-MB-26-27 dt. 03.07.2026	111-DRM-MB-26-27 dt. 03.07.2026	112-DRM-MB-26-27 dt. 03.07.2026
Name of work	Construction of 6 units Type II and 4 Units Type III Quarters in lieu of abandoned/ un-serviceable staff quarters in the section of ADEN/HQ/MB.	Standardization of turnouts in various yards in the section of ADEN/HQ.	Standardization of turnouts in various yards in the section of ADEN/CH.
Tender Closing Date Time	30.07.2026	30.07.2026	30.07.2026
Advertised Value (Rs.)	2,05,52,607.57	79,99,994.17	79,99,999.32
Earnest Money (Rs.)	4,11,100.00	1,60,000.00	1,60,000.00
Tender Cost (Rs.)	00	00	00
Bidding Start Date	16.07.2026	16.07.2026	16.07.2026
Period of Completion	06 Months	06 Months	06 Months

पत्रांक सं.: 75-W/2/3/WA/Publication दिनांक : 03.07.2026 2289/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

दिल्ली: वायु प्रदूषण के साथ ओजोन प्रदूषण की चुनौती

ललित गर्ग

दिल्ली आज केवल देश की राजधानी नहीं, बल्कि देश का सबसे बड़ा प्रदूषण हॉटस्पॉट भी बन चुकी है। गर्मियों में बढ़ते तापमान, तेज धूप और वाहनों एवं उद्योगों से निकलने वाली नाइट्रोजन ऑक्साइड तथा वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों की रासायनिक प्रतिक्रिया

राजधानी दिल्ली वर्षों से वायु प्रदूषण की भयावह समस्या से जूझती रही है। हर सर्दी में धुंध की मोटी चादर, जहरीली हवा और दमघोंटू वातावरण राष्ट्रीय चिंता का विषय बनते हैं। अब तक इस संकट की चर्चा मुख्यतः पीएम 2.5, पीएम 10, पराली और वाहनों के धुएँ तक सीमित रही, लेकिन अब एक नया और अधिक खतरनाक खतरा तेजी से उभरकर सामने आया है- भूतलीय (ग्राउंड लेवल) ओजोन प्रदूषण। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट की हालिया रिपोर्ट ने स्पष्ट किया है कि दिल्ली-एनसीआर ही नहीं, जयपुर, चंडीगढ़ और अहमदाबाद जैसे शहर भी ओजोन प्रदूषण की गिरफ्त में आते जा रहे हैं। यह प्रदूषण दिखाई नहीं देता, लेकिन इसके दुष्प्रभाव धीरे-धीरे मानव जीवन, कृषि और पर्यावरण को भीतर तक बीमार कर रहे हैं। विडम्बना यह है कि प्रदूषण जैसे गंभीर विषय को भी अक्सर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित कर दिया जाता है। कभी किसानों की पराली को संपूर्ण दोषी ठहरा दिया जाता है तो कभी केवल वाहनों को। जबकि वास्तविकता कहीं अधिक व्यापक है। यदि समस्या की जड़ तक पहुँचना है तो अनियोजित शहरीकरण, अंधाधुंध औद्योगिकीकरण, ऊर्जा उपभोग की वर्तमान व्यवस्था और विकास के मौजूदा मॉडल पर गंभीर पुनर्विचार करना होगा।

दिल्ली आज केवल देश की राजधानी नहीं, बल्कि देश का सबसे बड़ा प्रदूषण हॉटस्पॉट भी बन चुकी है। गर्मियों में बढ़ते तापमान, तेज धूप और वाहनों एवं उद्योगों से निकलने वाली नाइट्रोजन ऑक्साइड तथा वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों की रासायनिक प्रतिक्रिया से भूतलीय ओजोन बनती है। यह वही ओजोन नहीं है जो वायुमंडल की ऊपरी परत में पृथ्वी को पराबैंगनी किरणों से बचाती है। धरातल पर बनने वाली ओजोन एक विषैली गैस है, जो फेफड़ों की कार्यक्षमता कम करती है, दमा के रोगियों की स्थिति बिगाड़ती है, आँखों में जलन पैदा करती है तथा हृदय रोगों का जोखिम बढ़ाती है। आज दिल्ली-एनसीआर में बड़ी संख्या में लोग सांस लेने में कठिनाई, एलर्जी और अस्थमा जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं, जिनमें ओजोन प्रदूषण की भूमिका लगातार बढ़ रही है। दिल्ली सरकार ने प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन, नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति,

सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा, चार्जिंग स्टेशन विकसित करने की योजना और पुराने प्रदूषणकारी वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाने जैसे निर्णय निश्चित रूप से सकारात्मक हैं। यदि इन योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन होता है तो आने वाले वर्षों में प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में सार्थक परिवर्तन देखने को मिल सकता है। लेकिन केवल वाहन नीति से समस्या का समाधान संभव नहीं है।

वास्तविक संकट अनियोजित शहरीकरण का है। पिछले दो दशकों में दिल्ली और उससे लगे क्षेत्रों में जिस तेजी से खेत, तालाब और हरित क्षेत्र कंक्रीट के जंगलों में बदले हैं, उसने प्राकृतिक संतुलन को गहरा आघात पहुँचाया है। जहाँ कभी वर्षा का पानी धरती में समा जाता था, वहाँ अब सीमेंट और डामर की सतह है। पारंपरिक जलस्रोत मिट गए, पेड़ों की संख्या घटी और गर्मी बढ़ती गई। यही कारण है कि शहरों का तापमान आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कई डिग्री अधिक रहने लगा है। यही अतिरिक्त गर्मी ओजोन बनने की प्रक्रिया को और तेज करती है। आज महानगरों का विस्तार विकास का प्रतीक माना जाता है, लेकिन यह विकास प्रकृति की कीमत पर हो रहा है। शहरों को सड़कें चाहिए, बिजली चाहिए, आवास चाहिए, उद्योग चाहिए। इन सबके लिए खेत समाप्त हो रहे हैं, जंगल कट रहे हैं और जलस्रोत नष्ट हो रहे हैं। परिणामस्वरूप प्रदूषण केवल हवा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जल, मिट्टी और जैव विविधता भी प्रभावित हो रही है। विकास की यह दिशा अंततः मानव जीवन के विरुद्ध खड़ी दिखाई देती है। दिल्ली में निजी वाहनों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। सार्वजनिक परिवहन की उपलब्धता और गुणवत्ता अभी भी इतनी प्रभावी नहीं हो सकी कि लोग निजी वाहनों का त्याग करें। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना स्वागतयोग्य है, किंतु यह भी ध्यान रखना होगा कि बिजली यदि कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्रों से आएगी तो प्रदूषण केवल एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित होगा। इसलिए स्वच्छ ऊर्जा, सौर ऊर्जा और हरित परिवहन को समानांतर गति से बढ़ाना आवश्यक है।

ओजोन प्रदूषण केवल मानव स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह कृषि उत्पादन को भी प्रभावित करता है। वैज्ञानिक अध्ययनों में पाया गया है कि ओजोन फसलों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित कर उत्पादन घटा देती है। ऐसे समय में जब जलवायु परिवर्तन, अनिश्चित मानसून और बढ़ती गर्मी पहले ही किसानों के सामने बड़ी चुनौती बने हुए हैं, ओजोन प्रदूषण कृषि संकट को और गहरा कर सकता है। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अंतर्गत अनेक शहरों में वायु गुणवत्ता सुधारने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, किंतु अब समय आ गया है कि इसकी रणनीति का विस्तार किया जाए। केवल पार्टिकुलेट मैटर पर ध्यान देने के बजाय ओजोन जैसे द्वितीयक प्रदूषकों की निगरानी, वैज्ञानिक अध्ययन और नियंत्रण पर भी समान बल देना होगा। वायु गुणवत्ता निगरानी तंत्र को अधिक व्यापक, आधुनिक और पारदर्शी बनाना होगा।

समस्या के समाधान में नागरिकों की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। कचरा जलाना, निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल, खुले में ईंधन जलाना, प्लास्टिक और औद्योगिक कचरे का अनुचित निस्तारण जैसी आदतों में परिवर्तन लाना होगा। अधिक से अधिक सार्वजनिक परिवहन का उपयोग, साइकिल और पैदल चलने की संस्कृति को बढ़ावा देना होगा। शहरों में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण, हरित पट्टियों का विकास और पारंपरिक जलस्रोतों का पुनर्जीवन भी प्रदूषण नियंत्रण की प्रभावी रणनीति का हिस्सा होना चाहिए। वायु प्रदूषण केवल पर्यावरणीय संकट नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक संकट भी है। बढ़ती बीमारियाँ स्वास्थ्य व्यवस्था पर बोझ डालती हैं, कार्यक्षमता घटाती हैं और करोड़ों रुपये की आर्थिक हानि का कारण बनती हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि प्रदूषण बच्चों और युवाओं के भविष्य को प्रभावित कर रहा है। यदि आज निर्णायक कदम नहीं उठाए गए तो आने वाली पीढ़ियों को इसका कहीं अधिक गंभीर मूल्य चुकाना पड़ेगा।

दिल्ली सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदम स्वागतयोग्य हैं और उनसे सकारात्मक परिणामों की आशा की जा सकती है, किंतु यह तभी संभव होगा जब केंद्र, राज्य, स्थानीय निकाय, उद्योग, वैज्ञानिक समुदाय और नागरिक समाज मिलकर समन्वित प्रयास करें। प्रदूषण किसी एक सरकार, एक मौसम या एक कारण की समस्या नहीं है। यह हमारे विकास मॉडल, जीवनशैली और पर्यावरण के प्रति दृष्टिकोण का परिणाम है। आज आवश्यकता दोषारोपण की नहीं, बल्कि दूरदर्शी नीति और सामूहिक उत्तरदायित्व की है। यदि हम स्वच्छ हवा चाहते हैं तो केवल प्रदूषण कम करने की योजनाएँ नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ संतुलित विकास की नई संस्कृति विकसित करनी होगी। अन्यथा ओजोन जैसी अदृश्य गैसें हमारे शहरों को धीरे-धीरे बीमार करती रहेंगी और विकास का यह मॉडल स्वयं मानव सभ्यता के लिए सबसे बड़ा संकट बन जाएगा।

अनुसंधान परिवेश की कमजोरियां

क्या अपनी खास जरूरतों के मुताबिक एआई का संप्रभु सिस्टम एवं प्रतिमान विकसित करने की दिशा में भारत बढ़ रहा है? जियो का प्रस्तावित 'संप्रभु एआई बैकबॉनझ् क्या इस कमी को पूरा कर पाएगा?

रिलायंस जियो ने भारत की संप्रभु आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) रीढ़ निर्मित करने का इरादा जताया है। कंपनी की 49वीं वार्षिक आम बैठक में प्रबंधक निदेशक मुकेश अंबानी ने जियो के उपभोक्ताओं के लिए जियो कॉल–एजेंट और एआई संचालित माई–जियो ऐप लॉन्च करने की घोषणा भी की। रिलायंस साधन संपन्न कंपनी है। अतीत में उपभोक्ता अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में लीक से हट कर नई पहल करने और उनमें बड़ी कामयाबियां हासिल करने में वह सफल रही है। इस रिकॉर्ड को देखते हुए लाजिमी है कि उसके हर एलान से लोगों गहरी दिलचस्पी पैदा होती है। कॉल–एजेंट 'हे जियोझ् कहने भर से कॉल ट्रांसक्रिप्शन, सारांश, एक्शन आइटम, रिमाइंडर, मीटिंग नोट्स, राइड बुकिंग, फूड ऑर्डर, टेबल रिज़र्वेशन आदि जैसी सेवाएं देगा।

इसका इस्तेमाल भारत की सभी भाषाओं में किया जा सकेगा। बहरहाल, यह कोई नई राह बनाने वाली बात नहीं है। यह पहल इस समझ के अनुरूप ही है कि भारत एआई यूजर्स के सबसे बड़े बाजार के रूप में उभर सकता है। असल मुद्दा यह है कि क्या अपनी खास जरूरतों के मुताबिक एआई का संप्रभु सिस्टम एवं प्रतिमान विकसित करने की दिशा में भारत बढ़ रहा है? जियो का प्रस्तावित 'संप्रभु एआई बैकबॉनझ् क्या इस कमी को पूरा कर पाएगा? रिलायंस ने जामनगर में स्थित डेटा सेंटर, कच्छ स्थित क्लीन एनर्जी हब, एनविडिया के जीबी–300 चिप आधारित जीपीयू के उत्पादन आदि की योजना के जरिए इस दिशा में महत्त्वपूर्ण दावा किया है।

लेकिन कंपनी यह दावा तभी पूरा कर सकेगी, अगर वह डेटा सेंटर के साथ–साथ एआई हार्डवेयर उत्पादन का भी स्वदेशी ढांचा खड़ा करे। एनवीडिया के चिप संप्रभु होने की गुंजाइश नहीं देते। उन पर अमेरिकी सरकार का नियंत्रण बना रहता है, जैसाकि चीन के मामले में जाहिर हुआ था। फिर रिलायंस की अमेरिकी कंपनी मेटा के साथ गहरी रणनीतिक साझेदारी है। अब तक रिलायंस हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर के मामले बाहर से आयात और मोटे तौर पर अमेरिकी प्रतिमानों पर निर्भर रही है। देश में तकनीक इन्फ्रास्ट्रक्चर और अनुसंधान परिवेश की कमजोरियां भी इसकी एक बड़ी वजह हैं। क्या अब अपने बड़े इरादे के बूते रिलायंस इनसे उबर पाएगी, यह अहम सवाल है?

चिंतन-मनन

शिष्य बना प्रशंसा का पात्र

गंगा किनारे गुरु अभेंद्र का आश्रम था। एक बार देश में भीषण अकाल पड़ा। गुरु अभेंद्र ने संकटग्रस्तों की मदद के उद्देश्य से अपने तीन शिष्यों को बुलाकर कहा - ऐसे संकट के समय में हमें अकाल पीड़ितों की सेवा करनी चाहिए। तुम लोग अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर भूखों को भोजन कराओ।

उनकी बात सुनकर शिष्य बोले - गुरुजी, हम इतने सारे लोगों को भोजन कैसे कराएंगे? हमारे पास न तो अन्न भंडार है और न अनाज खरीदने के लिए धन। तब गुरु अभेंद्र ने उन्हें एक थाली देते हुए कहा - यह थाली दिव्य है। तुम जितना भोजन मांगोगे, यह उतना भोजन उपलब्ध कराएगी। तीनों शिष्य थाली लेकर निकल पड़े। दो शिष्य एक स्थान पर बैठ गए। उधर से जो भी गुजरता, उसे वे भोजन कराते। किंतु तीसरा शिष्य मोहन बैठा नहीं, बल्कि घूम-घूमकर भूखों को खोजता रहा और उन्हें खाना बांटता रहा। कुछ दिनों बाद जब तीनों आश्रम लौटे, तो गुरु ने मोहन की खूब प्रशंसा की। दोनों शिष्यों को यह अजीब लगा।

उन्होंने पूछा - गुरुदेव, हमने भी तो अकाल पीड़ितों की सेवा की है। फिर मोहन की ही प्रशंसा क्यों गुरु ने उत्तार दिया - तुमने एक ही स्थान पर बैठकर पीडघ्तों की सहायता की। ऐसा करने से वे लोग तुम्हारी मदद से वंचित रह गए, जो चलकर तुम्हारे पास आने में असमर्थ थे। जबकि मोहन ने लोगों के पास जा-जाकर उन्हें भोजन कराया। उसकी सहायता अधिकतम लोगों तक पहुंची, इसलिए उसकी सेवा अधिक प्रशंसा के योग्य है। कथा का सार यह है कि वही सेवा अधिक सराहनीय होती है, जो आगे बढ़कर की जाए।

ईरान के सुप्रीम लीडर खामनेई का 131 दिन बाद अंतिम संस्कार

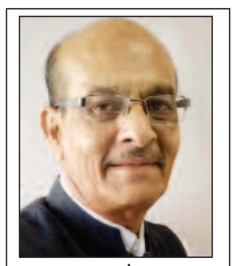
सनत जैन

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई के अंतिम संस्कार की रस्में शुरू हो गई हैं। शुक्रवार को शुरू हुए इस अंतिम संस्कार कार्यक्रम में खामेनेई और उनके परिवार के सदस्यों को विदाई दी जा रही है। उनके पार्थिव शरीर को ताबूत में रखा गया है। लोगों को अंतिम दर्शन और श्रद्धांजलि देने के लिए 60 शहरों से होते हुए यह जनाजा उनके जन्म स्थान पर जाकर दफनाया जाएगा। सुप्रीम लीडर के परिवार में उनकी 14 महीने की पोती, उनकी पत्नी, बेटी और दामाद का भी जनाजा साथ में निकाला जा रहा है। सुप्रीम लीडर खामेनेई और उनके परिवार के सदस्यों की 28 फरवरी 2026 को अमेरिका और इजराइल ने मिलकर संयुक्त हवाई हमला किया था। इसमें उनकी मौत हो गई थी। उनकी मौत के 131 दिन

बाद 9 जुलाई को उन्हें ईरान के मशहद शहर में दफनाया जाएगा। लगभग 100 देशों के प्रतिनिधि मंडल तेहरान पहुंच गए हैं। इजराइल द्वारा धमकी दिए जाने के बाद उनके पुत्र मुज्तबा खामेनेई सुरक्षा कारणों से अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हो रहे हैं। इजराइल की धमकी के बाद अंतिम संस्कार के जनाजे की सुरक्षा एवं इसमें आने वाले करोड़ों लोगों की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं।

ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई का जनाजा 6 शहरों से होते हुए उनके जन्म स्थल पर ले जाया जाएगा जहां पर उनके पूर्वजों को सुपुर्द-ए-खाक किया गया था, वहीं उन्हें भी दफन किया जाएगा। जनाजे में भारी भीड़ उमर रही है। सुरक्षा को देखते हुए बड़े पैमाने पर इंतजाम किए गए हैं। तेहरान में विदेश से आने वालों के लिए ठहरने की विशेष व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही ईरान के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में लोग जनाजे में शामिल होने के लिए पहुंच रहे हैं। उसको ध्यान में रखते हुए सैकड़ो सेवा केंद्र बनाए गए हैं। जहां पर लोगों के ठहरने खाने-पीने और स्वास्थ्य संबंधी इंतजाम किया गया है। ईरान की सरकार ने अमेरिका और इजराइल को कड़ी चेतावनी दी है। यदि उन्होंने इस मौके पर कोई हरकत की तो इसका ऐसा जवाब दिया जाएगा जो अमेरिका और इजराइल ने सोचा भी नहीं होगा। शुक्रवार से शुरू हुए जनाजे के इस कार्यक्रम में जिस तरह से ईरान की जनता उमड़ रही है वह सारी दुनिया के लोगों के लिए एक आश्चर्य में डालने की तरह है।

अमेरिका और इजराइल ने जब ईरान के ऊपर हमला किया था उस समय ईरान में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन चल रहे थे। अमेरिकी शह में जो प्रदर्शन हो रहे थे, उसे देखते हुए अमेरिका को लग रहा था कि वह एक सप्ताह के अंदर ईरान में सत्ता परिवर्तन करा देगा। अमेरिका और इजराइल का यह अनुमान गलत साबित हुआ। हमले में आयतुल्लाह खामेनेई और उनके परिवार के पांच सदस्यों की हत्या होने के बाद ईरान में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई थी। सारा ईरान एकजुट हो गया। अमेरिका और इजराइल के खिलाफ जो लड़ाई ईरान ने लड़ी है, वह सारी दुनिया के लिए एक मिसाल बन गई है। आयतुल्लाह खामेनेई ने कई दशको पहले फतवा जारी कर दिया था। उनका धर्म परमाणु बम बनाने की इजाजत नहीं देता है। ईरान परमाणु बम नहीं बनाएगा। उन्होंने जो फतवा जारी किया था, शहादत होने तक उसका पालन करते हुए सारी दुनिया को एक संदेश देने की कोशिश भी की है। जिसकी चर्चा सारी दुनिया में हो रही है।

नजर आ रहे खतरे से बचाव नहीं, भूकंप से कैसे बचाएंगी सरकारें

योगेन्द्र योगी

वेनेजुएला में एक मिनट के अंदर दो बड़े विनाशकारी भूकंप में करीब दो हजार लोगों की मौत हो गई। इस प्राकृतिक आपदा में करीब 10 हजार लोग घायल हो गए। बगैर किसी चेतावनी के आने वाली भूकंप जैसी आपदाएं सरकारों को चेताती हैं कि पहले से बचाव के उपाए किए जाएं, ताकि कम से कम जानमाल का नुकसान हो सकें। भूकंप का खतरा भारत मे भी है। देश के कई हिस्सों में कई बार शक्तिशाली भूकंपों ने भारी तबाही मचाई है। सवाल यह है कि पूर्व में आए इन भूकंपों से देश की सरकारों ने कोई सबक सीखा है। क्या देश में ऐसे इंतजाम किए गए हैं कि भूकंप आने पर कम से कम जानमाल का नुकसान हो।

दरअसल भारत के राजनीतिक दलों और सरकारों से किसी भी प्राकृतिक आपदा से पहले और बाद में बचाव की ज्यादा उम्मीदें नहीं की जा सकती हैं। कारण साफ है केंद्र और राज्यों की सरकारों को सामने स्पष्ट नजर आते हुए खतरों से लोगों को बचाने का कोई इंतजाम नहीं हो, वे भूकंप जैसे छिपे हुए खतरों से कैसे बचाएंगे। दिल्ली के बाद लखनउ में आग से 15 लोगों की मौत हो गई। ऐसी लाखों इमारतें अकेले उत्तर प्रदेश में हैं, जिनमें आग से बचाने के कोई उपाय नहीं किए गए हैं। जब दिल्ली में आग लगी तभी राज्यों की सरकारों को सतर्क हो जाना चाहिए था। लेकिन सरकारों ने लोगों की जान की परवाह नहीं की। अगले ही दिन बिहार के मुजफ्फरपुर में आग ने पांच-छह मरीजों को लील लिया। इसके बाद उत्तर प्रदेश के नोएडा और फिर मध्य प्रदेश के इंदौर में आग ने फ्लैट और शोरूम खाक कर दिए। तीन दिन में आग की चार भयानक घटनाओं ने लोगों को डरा दिया है और करीब 26 लोगों की जलकर या काले धुएं की चपेट में आकर मौत हो गई है।

राष्ट्रीय और राज्य स्तर के अनुमानों के अनुसार, वाणिज्यिक और आवासीय क्षेत्रों के 60 प्रतिशत से अधिक छोटे और मध्यम भवन बिना वैध फायर एनओसी के चल रहे हैं। देश भर में दमकल केंद्रों में 97.5 प्रतिशत, दमकल कर्मियों में 96.2 प्रतिशत और अग्निशमन उपकरणों में लगभग 80 प्रतिशत तक की कमी है। देश के लगभग हर बड़े शहर में सुरक्षा नियमों को दरकिनार किया जा रहा है। यह खतरा ऐसा है, जो साफ दिखाई देता है। इससे बचाव के शत–प्रतिशत इंतजाम भी किए जा सकते हैं। इसके बावजूद राज्यों और केंद्र ने पूर्व में हुए ऐसे हादसों से सबक नहीं सीखा।

ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है, सामने स्पष्ट तौर पर दिखाई दे रहे खतरे से निपटने में सरकारें नाकाम हैं तो भूकंप जैसी अचानक आने वाली आपदा और उसके भयावह रूप से सरकारें कैसे निपटेंगी। जबकि भूगर्भ वैज्ञानिक साफ चेता चुके हैं कि देश के कितने हिस्सों में कभी भी भीषण भूकंप आ सकता है। पिछले दो दशकों में देश में 10 बड़े भूकंप आए हैं, जिनमें 20,000 से अधिक लोगों की जान गई है। नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट ऑथोरिटी के मुताबिक भारत में करीब 20 करोड़ इमारतें भूकंपीय क्षेत्र 4 और 5 में आती हैं। इनमें से कई इमारतें 30-40 साल पहले बनी थीं और इनमें से कई इमारतें नेशनल बिल्डिंग कोड्स का पालन नहीं करती हैं।

भूकंप संभावित क्षेत्रों में जोन-1 में भूकंप आने की आशंका सबसे कम रहती है, वहीं जोन-5 में ज्यादा प्रबल रहती है। दिल्ली-एनसीआर का इलाका सीस्मिक जोन-4 में आता है और यही वजह है कि उत्तर भारत के इस क्षेत्र में सीस्मिक गतिविधियाँ तेज रहती हैं। भूगर्भ विशेषज्ञों ने भारत के करीब 59% भू-भाग को भूकंप संभावित क्षेत्र के रूप में वर्गीकृत किया है। जानकार सीस्मिक जोन-4 में आने वाले भारत के सभी बड़े शहरों की तुलना में दिल्ली में भूकंप की आशंका ज्यादा बताते हैं। गौरतलब है कि मुंबई, कोलकाता, चेन्नई और बेंगलुरु जैसे शहर सीस्मिक जोन-3 की श्रेणी में आते हैं। जबकि भूगर्भशास्त्री कहते हैं कि दिल्ली की दुविधा यह भी है कि वह हिमालय के निकट है, जो भारत और यूरेशिया जैसी टेक्टॉनिक प्लेटों के मिलने से बना था और इसे धरती के भीतर की प्लेटों में होने वाली हलचल का खमियाजा भुगतना पड़ सकता है।

नेशनल सेंटर फोर सिसमोलॉजी के मुताबिक भारत के 29 शहरों पर भूकंप का गंभीर खतरा है। इन शहरों में दिल्ली समेत नौ राज्यों की राजधानियां भी हैं। ये ज्यादातर शहर हिमालय जोन से लगे हैं। हिमालय से लगे शहर दुनियां के उन शहरों में शुमार हैं, जहां भूकंप का सबसे ज्यादा खतरा रहता है। दिल्ली, पटना, श्रीनगर, कोहिमा, पुडुच्चेरी, गुवाहाटी, गंगटोक, शिमला, देहरादून, इम्फाल और चंडीगढ़ भूकंपीय क्षेत्र के जोन चार और पांच में हैं। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस (आईआईएससी) के मुताबिक ये वो शहर हैं जहां आबादी का घनत्व बहुत सघन है और ये गंगा के मैदानी भाग हैं।

इसके साथ ही वैज्ञानिकों ने यह भी कहा है कि सिस्मिक जोन-4 में आने वाली राजधानी दिल्ली भूकंप के बड़े झटके से खासा प्रभावित हो सकती है। अगर यहां 7 की तीव्रता वाला भूकंप आया तो दिल्ली की कई सारी इमारतें और घर रेत की तरह भरभराकर गिर जाएंगे। ऐसा इसलिए है, क्योंकि दिल्ली की इमारतों में इस्तेमाल होने वाली निर्माण सामग्री ऐसी है, जो भूकंप के झटकों का सामना करने में पूरी तरह से सक्षम नहीं है। दिल्ली में मकान बनाने की निर्माण सामग्री ही आफत की सबसे बड़ी वजह है। दिल्ली में 1760 से अधिक अनधिकृत कॉलोनियां हैं। इन अनधिकृत कॉलोनियों में गैर-इंजीनियरिंग इमारतें बनी हैं, जिनमें भूकंप प्रतिरोध क्षमता शायद ही हो।

भूकंप के प्रति सर्वाधिक संवेदनशील और खतरनाक माने जाने वाले जोन पांच में भारत का पूरा पूर्वोत्तर है। इनमें जम्मू-कश्मीर का कुछ हिस्सा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात के साथ उत्तरी बिहार के कुछ हिस्से और अंडमान निकोबार हैं। वहीं जम्मू-कश्मीर का कुछ हिस्सा, दिल्ली, सिक्किम, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, गुजरात के कुछ हिस्से और महाराष्ट्र का कुछ भाग जोन चार में हैं। गुजरात का भुज 2001 में भयावह तरीके से भूकंप की चपेट में आया था। इस भूकंप में 20 हजार लोग मारे गए थे।

सुप्रीम कोर्ट ने साल 2025 में आदेश दिया था कि ऐसी सभी इमारतें, जिनमें 100 या उससे अधिक लोग रहते हैं, उनके ऊपर भूकंप-रोधी होने वाली किसी एक श्रेणी का साफ उल्लेख होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश अन्य जनहित के आदेशों की तरह सरकारी फाइलों में दफन हो गया। अग्नि दुर्घटनाओं की तरह तो नहीं पर मौटे तौर पर सरकारों को इस बात का अंदाजा है कि देश के किन इलाकों में भूकंप आ सकता है। जिस देश में साफ नजर आने वाले खतरे की नेताओं और सरकारों को परवाह नहीं, उन्हें छिपे हुए अचानक आने वाले खतरों से देश के लोगों को बचाने की क्या परवाह होगी। देश में ऐसा एक भी राज्य नहीं हैं, जहां की किसी भी तरह की इमरातें, अग्नि दुर्घटनाओं से सुरक्षित हो, या उनमें अग्नि दुर्घटना होने पर बचाव के पूरे कानूनी प्रावधान हों, ऐसे में छिपे हुए अचानक आए खतरनाक भूकंप से बचाने के लिए इंतजाम भगवान भरोसे है।

होना तो यह चाहिए था कि इतने अग्निकांडों के बाद देश में सरकारों की नींद खुल जानी चाहिए थी। देश के जितने भी व्यवसायिक या निजी इमारतें हैं, उनमें आग से बचाव के इंतजामों की तत्काल जांच की जानी चाहिए थी। आग लगने पर लोगों की जान खतरे में डालने वाले ऐसे भवनों को तत्काल सील किया जाना चाहिए था। इससे भी महत्वपूर्ण जिन विभागों की अग्निश्मन के उपायों की जांच करने की जिम्मेदारी है, उनके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जानी चाहिए थी। एक के बाद एक अग्नि दुर्घटनाएं होती रहीं किन्तु सरकारों की नींद नही खुली।

दैनिक जयन्त-गढ़वाल

संक्षिप्त समाचार

सब्जी मंडी में दुकानों के टेंडर पर विवाद

अल्मोड़ा। नगर निगम की ओर से तहसील धारा स्थित सब्जी मंडी के छोटे दुकानदारों की दुकानों के टेंडर की प्रक्रिया शुरू किए जाने पर विवाद गहरा गया है। इस निर्णय के विरोध में देवभूमि उद्योग व्यापार मंडल, अल्मोड़ा ने नगर निगम प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने नगर अध्यक्ष संजय साह के नेतृत्व में नगर निगम आयुक्त और मेयर को ज्ञापन सौंपा।

व्यापार मंडल का आरोप है कि मंडी में कई छोटे व्यापारी पिछले कई वर्षों से अपनी दुकान चला रहे हैं। इनकी ओर से नियमित रूप से नगर निगम को किराया भी जमा किया जाता रहा है। इसके बावजूद बिना पूर्व सूचना और बिना व्यापारियों से संवाद किए दुकानों के टेंडर की प्रक्रिया शुरू कर दी गई, जिससे उनमें असमंजस और नाराजगी है। व्यापार मंडल ने नगर निगम के इस फैसले को तुगलकी फरमान बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की है। संगठन का कहना है कि यह निर्णय छोटे और कमजोर व्यापारियों की आजीविका पर प्रहार है। पदाधिकारियों ने टेंडर प्रक्रिया वापस लेने और दुकानदारों के हितों की रक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। वहीं व्यापार मंडल ने आंदोलन की चेतावनी भी दी है।

इंस्टाग्राम पर बाल यौन शोषण सामग्री अपलोड करने पर प्राथमिकी दर्ज

अल्मोड़ा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर कथित रूप से बाल यौन शोषण से संबंधित सामग्री अपलोड और देखने के आरोप में सोमेश्वर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कार्रवाई नेशनल सेंटर फॉर मिसिंग एंड एक्सप्लॉयटेड चिल्ड्रेन (एनसीएमईसी) से प्राप्त शिकायत के आधार पर की गई है।

पुलिस के अनुसार शिकायत मिलने के बाद साइबर सेल ने तकनीकी जांच की। जांच में सोमेश्वर थाना क्षेत्र के हवालबाग से संचालित एक इंस्टाग्राम अकाउंट के माध्यम से प्रतिबंधित सामग्री अपलोड किए जाने और देखे जाने के संकेत मिले। इसके बाद संबंधित मोबाइल कनेक्शन और उपयोगकर्ता की जानकारी जुटाकर संदिग्ध की पहचान की गई। प्राथमिक जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर पुलिस ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 67–बी के तहत मुकदमा दर्ज किया है। कोतवाल मदन मोहन जोशी ने बताया कि मामले की गहन विवेचना की जा रही है। डिजिटल साक्ष्यों का परीक्षण, सोशल मीडिया गतिविधियों के विश्लेषण और अन्य तकनीकी पहलुओं की जांच के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, सीओ भावना कन्थौला ने कहा कि जांच पूरी होने के बाद ही मामले के सभी तथ्यों और किसी भी व्यक्ति की भूमिका पर अंतिम निष्कर्ष निकाला जाएगा।

विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट जाएं कार्यकर्ता

पोखरी (चमोली)। भारतीय जनता पार्टी की नगर मंडल की बैठक में संगठन की मजबूती और विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा की गई। पार्टी पदाधिकारियों ने सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि भाजपा को पुनः प्रचंड बहुमत से जिताने के लिए सभी को तैयारियों में जुट जाना चाहिए। भाजपा के नगर अध्यक्ष अमर सिंह रावत ने कहा कि चुनाव में जीत का आधार मजबूत बूथ स्तरीय संगठन होता है। इसलिए बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने के लिए सक्रिय होकर कार्य करें। पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र भंडारी ने कहा कि मजबूत संगठन ही चुनावी सफलता की सबसे बड़ी ताकत है। पार्टी जिसे भी टिकट देगी उसके लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करना होगा। राज्य महिला आयोग की सदस्य वत्सला सती ने कहा कि सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की जिम्मेदारी कार्यकर्ता की है। इस दौरान थालाबैंड के जिला पंचायत सदस्य बीरेंद्र सिंह राणा, ब्लॉक प्रभारी अनूप नेगी, डॉ. मातबर सिंह रावत, टीपी सती, रमेश चौधरी, सुनीता चमोला, नारायण सिंह नेगी आदि मौजूद रहे।

बदरीनाथ में आर्थिक हेराफेरी के आरोपों की जांच शुरू

गोपेश्वर/ज्योतिर्मठ। बदरीनाथ धाम में बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के एक कर्मचारी पर लगे आर्थिक हेराफेरी के आरोपों की जांच शुरू हो गई है। मामले की निष्पक्ष जांच के लिए समिति ने चार सदस्यीय उच्च स्तरीय जांच समिति गठित की है। मुख्य कार्याधिकारी (सीईओ) सोहन सिंह रांगड़ ने समिति को एक सप्ताह में जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। जांच समिति में विधि अधिकारी, मंदिर अधिकारी, प्रभारी अधिकारी (केदारनाथ) और वित्त नियंत्रक को शामिल किया गया है। सीईओ ने बताया कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। इसके लिए बदरीनाथ मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। बताया जा रहा है कि मंदिर समिति ने जांच के मद्देनजर पिछले 40 दिनों की सीसीटीवी रिकॉर्डिंग सुरक्षित रख दी है ताकि आवश्यक साक्ष्यों का परीक्षण किया जा सके। बीते शुक्रवार को भैरव सेना के संस्थापक अध्यक्ष संदीप खत्री ने बीकेटीसी के सीईओ को ज्ञापन भेजकर मंदिर से जुड़े वित्तीय मामलों में अनियमितता और आर्थिक हेराफेरी का आरोप लगाया था। उन्होंने संबंधित कर्मचारी की भूमिका की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। बीकेटीसी का कहना है कि जांच रिपोर्ट मिलने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कार्तिक तिवारी की हस्तलिखित गढ़वाली काव्य पुस्तिका का किया विमोचन

गोपेश्वर। बाल कवि कार्तिक तिवारी ह्यपहाड़ीह्ल की हस्तलिखित गढ़वाली काव्य संग्रह ह्यकाल विचारह्ल (कोमल विचार) पुस्तिका का विमोचन किया गया। इस पुस्तक में 40 से अधिक गढ़वाली कविताओं को शामिल किया गया है। सरस्वती विद्या मंदिर गोपेश्वर में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानाचार्य हिम्मत सिंह चौहान व सामाजिक कार्यकर्ता चंडी प्रसाद तिवारी ने पुस्तिका का विमोचन संयुक्त रूप से किया। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में अधिकांश लेखन कंप्यूटर से हो रहा है और डिजिटल किताबें निकल रही हैं। ऐसे में बाल कवि कार्तिक तिवारी ने हाथ से लिखकर पुस्तक तैयार कर मातृभाषा के प्रति अपने समर्पण को दिखाया है। इतनी छोटी उम्र में गढ़वाली भाषा और लोक संस्कृति को हस्तलिखित पुस्तक के रूप में सहेजना सराहनीय व अनुकरणीय कार्य है।

उमस और गर्म हवाओं ने झुलसाया

देहरादून। प्रदेश में मानसून के सक्रिए होते ही मैदान से लेकर पहाड़ तक गर्मी से राहत मिली है। लेकिन मौसम के बदले पैटर्न और जलवायु परिवर्तन का सीधा असर तापमान पर देखने को मिल रहा है। शुक्रवार को भी कुछ ऐसा ही हुआ। लगातार दो दिनों से हो रही बारिश का सिलसिला थमा तो आधे दिन तक उमस और गर्म हवाओं ने झुलसाया। दोपहर करीब तीन बजे के बाद मौसम बदला और बादल छाने के साथ कुछ हिस्सों में तेज दौर की बारिश ने गर्मी और उमस से राहत दिलाई। हालांकि तापमान पर कोई खास असर देखने को नहीं मिला। आंकड़ों पर नजर डालें तो दून का अधिकतम तापमान सामान्य से दो डिग्री बढ़ोतरी के साथ 34.1 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। रात का न्यूनतम तापमान भी सामान्य से एक डिग्री बढ़ोतरी के साथ 24.8 डिग्री दर्ज किया गया।

वीर चंद्र सिंह गढ़वाली पर दिए बयान पर विधायक ने जताया खेद

बोले–'भावनाएं आहत हुई तो मैं क्षमा प्रार्थी हूं

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : लैंसडौन विधानसभा के विधायक दिलीप सिंह रावत ने स्वतंत्रता सेनानी वीर चंद्र सिंह गढ़वाली को लेकर दिए गए अपने हालिया बयान पर उठे विवाद के बीच स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य किसी भी प्रकार से महान स्वतंत्रता सेनानी के सम्मान को ठेस पहुंचाना नहीं था। उन्होंने कहा कि यदि उनके बयान से किसी की भावनाएं आहत हुई हैं, तो वह सार्वजनिक रूप से क्षमा मांगते हैं।

शनिवार को कोटद्वार में आयोजित पत्रकार वार्ता में विधायक ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि देहरादून में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने वीर चंद्र सिंह गढ़वाली को लेकर एक बयान दिया था। लेकिन, सोशल मीडिया में उनके बयान को अलग ही तरीके से प्रस्तुत किया जा रहा है। उनके वक्तव्य का आशय क्रांतिकारी व्यक्तित्व का अपमान करना नहीं, बल्कि निर्णय लेने की प्रक्रिया पर अपनी राय व्यक्त करना था। कहा कि ह्लयदि मेरे शब्दों से वीर चंद्र सिंह गढ़वाली के सम्मान, स्वाभिमान को जरा भी ठेस पहुंची है, तो मैं इसके लिए सार्वजनिक रूप से क्षमा प्रार्थी हैं ।ह्व

पत्रकार वार्ता के दौरान विधायक

ने कांग्रेस पर भी निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 1979 में कोटद्वार के मालवीय उद्यान में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस नेताओं ने वीर चंद्र सिंह गढ़वाली के साथ अभद्र व्यवहार किया था। उन्होंने कहा कि इस घटना का उल्लेख दैनिक जयंत की एक पत्रिका में तत्कालीन कांग्रेस नेता स्वर्गीय कुंवर सिंह कर्मठ ने भी किया है। रावत ने कांग्रेस से इस ऐतिहासिक घटना पर अपना पक्ष स्पष्ट करने और माफी मांगने की मांग की। उन्होंने कांग्रेस की परिवर्तन संकल्प यात्रा पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि पार्टी अपनी राजनीतिक जमीन खो चुकी है और जनता का विश्वास अब उसके साथ नहीं है। पत्रकार वार्ता में उमेश त्रिपाठी, विवेक अग्रवाल सहित अन्य लोग भी उपस्थित रहे।

पौधा रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला न्यायाधीश, रुद्रप्रयाग के मार्गदर्शन में सचिव पायल सिंह के नेतृत्व में वन महोत्सव सप्ताह के अंतर्गत वन विभाग, रुद्रप्रयाग के सहयोग से दक्षिणी जखोली रेंज, रुद्रप्रयाग वन प्रभाग, रुद्रप्रयाग में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रुद्रप्रयाग पायल सिंह ने पौधारोपण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थानीय प्रजातियों के साथ-साथ फलदार, छायादार एवं औषधीय गुणों से युक्त पौधों का रोपण किया गया। ये पौधे पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता के संवर्धन, स्वच्छ एवं शुद्ध वातावरण के निर्माण, मृदा एवं जल संरक्षण तथा मानव एवं वन्य जीवों के लिए उपयोगी प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों ने लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल का संकल्प लिया। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के रिटेनर अधिवक्ता, पैरालीगल वालंटियर्स एवं अन्य कर्मचारियों ने पौधा रोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के निर्माण का संदेश दिया।

भिकियासैंण में विशाल प्रदर्शन, 60 गांवों के लोगों ने भरी हुंकार

अल्मोड़ा। नौला–मानिला देवी पेयजल योजना को पूर्ववत संचालित रखने और क्षेत्रीय समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर शुक्रवार को भिकियासैंण तहसील मुख्यालय में करीब 60 गांवों के ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने तहसील बैंड से बड़ियाली बाजार होते हुए तहसील मुख्यालय तक जुलूस निकाला और मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंपा।

ज्ञापन में नौला–मानिला देवी पेयजल योजना को पूर्ववत संचालित रखने, गांवों की पेयजल वितरण व्यवस्था में सुधार, नौला और डोब पंप हाउस में स्टेबलाइजर लगाने तथा क्षेत्र की तीन अधूरी सड़कों का निर्माण पूरा कराने की मांग की गई। इसके बाद तहसील परिसर में आयोजित सभा में वक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि 14 जुलाई तक मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो तहसील मुख्यालय पर बेमियादी धरना–प्रदर्शन शुरू किया जाएगा। साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव के बहिष्कार की भी चेतावनी दी गई।

सभा को उत्तराखंड क्रांति दल के वरिष्ठ नेता तुला सिंह तड़ियाल, पूर्व प्रमुख भगवती रिखाड़ी, सूबेदार मेजर हिम्मत सिंह अधिकारी, सूबेदार लक्ष्मण सिंह बिष्ट, बहादुर सिंह रावत, किसन सिंह रावत, प्रेम सिंह अधिकारी, राजेंद्र सिंह रावत सहित विभिन्न जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने संबोधित किया।

विशेषज्ञ चिकित्सा शिविर में पहले दिन 207 की हुई जांच

138 लोगों की हुई अल्ट्रासाउंड, एक्सरे, ईसीजी आदि जांचें

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : सेवा सुशासन समर्पण कार्यक्रम के अंतर्गत सेवा सप्ताह के तहत स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अगस्त्यमुनि में आयोजित तीन दिवसीय विशेषज्ञ चिकित्सा शिविर के पहले दिन 207 मरीजों की जांच की गई, जबकि अल्ट्रासाउंड, एक्सरे, ईसीजी व खून की विभिन्न जांचों सहित कुल 138 जांच हुई।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राम प्रकाश के निर्देशन में सीएचसी अगस्त्यमुनि में आयोजित विशेषज्ञ हेल्थ कैंप में बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. हेमा असवाल ने 56, ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. तस्दीक खान ने 15, नेत्र विशेषज्ञ डॉ. धनेश्वरी ने 18, फिजीशियन डॉ. विकास रावत ने 78 तथा डॉ. निधि सेमवाल ने जनरल ओपीडी के 40 मरीजों की जांच की गई। सोनोलाजिस्ट डॉ. राजीव चैधरी द्वारा 32 लोगों के अल्ट्रासाउंड किए गए, वहीं 51 के एक्सरे, 05 की ईसीजी जांच व 05 की श्रवण जांच व 45 की खून से संबंधित विभिन्न जांच की गई। इसके अलावा 02 का टीकाकरण किया गया व 06 लोगों के आभा कार्ड व 01 का आयुष्मान कार्ड बनाया गया। इस अवसर पर प्रभारी चिकित्स अधिकारी डॉ. अक्षिता ममगाईं, ब्लाक कार्यक्रम प्रबंधक मुदित मैठाणी, आरकेएसके काउंसलर जयदीप कुमार, बीएलए बलवंत बजवाल, द्दष्टिमितिज्ञ राजेश पुरोहित, एक्स-रे टैक्नीशियन रजत थपलियाल, ईसीजी टैक्नीशियन रविंद्र लांबा व अमरीब सिद्दकी, ऑडियोलॉजिस्ट संजय सिंह, आयोग्य मित्र ममता भट्ट आदि मौजूद रहे।

जखोली में विशेषज्ञ चिकित्सा शिविर 07 से

सेवा सप्ताह के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जखोली में 07 जुलाई से तीन दिवसीय विशेषज्ञ चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि 07, 08 व 09 जुलाई को होने वाले चिकित्सा शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा सेवाएं दी जाएगी। उन्होंने क्षेत्रवासियों से उक्त शिविर में पहुंच स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने की अपील की है।

अगस्त्यमुनि में जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार कार्यक्रम का भव्य आयोजन

कार्यक्रम में लाभार्थियों ने साझा किए अनुभव, योजनाओं से जीवन में आए सकारात्मक बदलाव

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : जनपद रुद्रप्रयाग के अगस्त्यमुनि क्रीड़ा भवन में सेवा, सुशासन एवं समर्पण अभियान के अंतर्गत सेवा सप्ताह के तहत 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा क्रीड़ा परिसर में विभागों से संबंधित स्टॉल लगाए गए थे। इन स्टॉलों के माध्यम से ग्रामीणों एवं आमजन को राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई गई। स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, उद्यान, मत्स्य, पर्यटन, डेयरी, सहकारिता, रीप, बाल विकास, उद्योग, पशुपालन, ग्रामीण विकास, समाज कल्याण, आजीविका, स्वरोजगार सहित कई विभागों ने अपने स्टॉल के माध्यम से योजनाओं, पात्रता और लाभार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान सूचना विभाग में पंजीकृत सांस्कृतिक दलों ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। गीत, लोकनृत्य एवं नाटिकाओं के माध्यम से राज्य सरकार की योजनाओं, जनहितकारी कार्यक्रमों तथा सामाजिक जागरूकता से जुड़े संदेशों को प्रभावी ढंग से आमजन तक पहुंचाया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित लोगों का ध्यान आकर्षित किया और मनोरंजन के साथ-साथ जनजागरूकता का संदेश भी दिया। इसके साथ ही विभिन्न महिला मंगल दलों व स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा भी कार्यक्रम में प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सरकारी योजनाओं से लाभान्वित लाभार्थियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है तथा उन्हें आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त बनने में सहायता मिली। कार्यक्रम के दौरान सूचना विभाग द्वारा सरकार की योजनाओं की उपलब्धियों का प्रचार-प्रसार तथा साहित्य का वितरण किया गया। इस अवसर पर सफाई अभियान चलाते हुए स्वच्छता का संदेश दिया गया। साथ ही नशा मुक्त भारत सहित मतदाता जागरूकता की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष भाजपा भारत भूषण भट्ट, जिला पंचायत उपाध्यक्ष रितु नेगी, ब्लॉक प्रमुख भुवनेश्वरी देवी, राज्य मंत्री चंडी प्रसाद भट्ट, बीकेटीसी उपाध्यक्ष विजय कप्रवाण, पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा वाचस्पति सेमवाल, जिलाधिकारी विशाल मिश्रा, पुलिस अधीक्षक नीहारिका तोमर, मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत, अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा, जिला विकास अधिकारी मनविंदर कौर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राम प्रकाश, खंड विकास अधिकारी अगस्त्यमुनि सुरेश शाह अन्य विभागीय अधिकारियों सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को मिली नहीं पहचान

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केदारनाथ विधायक श्रीमती आशा नौटियाल ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार लगातार विकास कार्यों को गति दे रही है। कहा कि पिछले पांच वर्षों में प्रदेश में सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन, स्वरोजगार और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं, जिनका सीधा लाभ आम जनता को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है और इसी उद्देश्य से इस प्रकार के जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को नई पहचान मिली है। इस वर्ष केदारनाथ यात्रा सहित चारधाम यात्रा में रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालु पहुंचे हैं, जिससे स्थानीय व्यापार, पर्यटन व्यवसाय और रोजगार के अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार यात्रा व्यवस्थाओं को और अधिक सुगम, सुरक्षित एवं सुविधाजनक बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने उपस्थित आम जनमानस से सरकार की योजनाओं से लाभान्वित होने की अपील की है।

सेवा पखवाड़े के तहत जिला चिकित्सालय गोपेश्वर में वृहद स्वास्थ्य शिविर का शुभारम्भ

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : सेवा, सुशासन एवं समर्पण के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से जनपद चमोली में शनिवार से विशेष सेवा पखवाड़ा का शुभारम्भ किया गया। इसके तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिला चिकित्सालय गोपेश्वर में वृहद स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें नागरिकों को एक ही स्थान पर विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। शिविर में विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। साथ ही आवश्यक पैथोलॉजी जांच, रक्तचाप, मधुमेह सहित अन्य स्वास्थ्य जांचें की गईं तथा जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। शिविर में आयुष्मान भारत योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं सहित विभिन्न जनकल्याणकारी स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी भी दी गई। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सेवा पखवाड़े के दौरान जनपद के विभिन्न विकासखंडों में भी विशेषज्ञ स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे, ताकि दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों को उनके निकट ही गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। उन्होंने आमजन से अधिक से अधिक संख्या में इन शिविरों का लाभ उठाने की अपील की। शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराते हुए विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त किया तथा विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं और योजनाओं का लाभ उठाया।

कर्मचारियों का धरना 24वें दिन भी जारी

द्वाराहाट (अल्मोड़ा)। बिपिन त्रिपाठी कुमाऊं प्रौद्योगिकी संस्थान (बीटीकेआईटी) के दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों का विनियमितीकरण की मांग को लेकर आंदोलन शुक्रवार को 24वें दिन भी जारी रहा। कर्मचारी संस्थान परिसर में धरने पर बैठे रहे और कॉलेज प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर शीघ्र कार्रवाई की मांग उठाई। धरनारत कर्मचारियों ने बताया कि संस्थान के निदेशक एवं कुलसचिव की ओर से दो जुलाई को जारी सूचना पत्र के संबंध में उन्होंने अपना लिखित जवाब निदेश-क, कुलसचिव और संबंधित अधिकारियों को सौंप दिया है। कर्मचारियों ने निदेशक से शासन स्तर पर तकनीकी शिक्षा सचिव से वार्ता कर विनियमितीकरण के आदेश जल्द जारी कराने के लिए प्रभावी पहल करने की मांग की। उनका कहना है कि लगातार हो रही देरी से कर्मचारियों में आक्रोश बढ़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि मांग पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा और यदि कर्मचारियों पर किसी प्रकार का दबाव बनाया गया तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा

मोटाढांग पेयजल योजना का शिलान्यास, उमरावनगर में बनेगा नलकूप

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोटद्वार विधानसभा क्षेत्र के वार्ड संख्या 31 पदमपुर मोटाढांग स्थित ग्राम उमरावनगर में शनिवार को 147.90 लाख की लागत से मोटाढांग पेयजल योजना के अंतर्गत नलकूप निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। यह परियोजना उत्तराखंड जल संस्थान के राज्य सेक्टर कार्यक्रम के तहत बनाई जाएगी।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष एवं कोटद्वार विधायक ऋतु खंडूडी भूषण ने कहा कि प्रदेश सरकार हर नागरिक को स्वच्छ और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। कहा कि नए नलकूप के निर्माण से मोटाढांग क्षेत्र की पेयजल व्यवस्था मजबूत होगी और भविष्य में बढ़ती आबादी की जरूरतों को भी पूरा करने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि कोटद्वार विधानसभा क्षेत्र में सड़क, पेयजल, सिंचाई, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी विभिन्न विकास योजनाओं पर लगातार कार्य किया जा रहा है। साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर और गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए गए, ताकि क्षेत्रवासियों को जल्द से जल्द योजना का लाभ मिल सके। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष आशीष रावत, पार्षद सौरव नौडियाल, अमित नेगी, महिला मोर्चा अध्यक्ष सिमरन बिष्ट, विधायक प्रतिनिधि प्रमोद केष्टवाल, कमल नेगी, जन कल्याण विकास समिति उमरावनगर के उपाध्यक्ष पंकज नेगी, कोषाध्यक्ष कैलाश चंद्र बलोदी, सदस्य गुड्डा दास, वरिष्ठजन प्रकाश चंद्र देवरानी, हरीश चंद्र जोशी, विमला शुक्ला, मंदिर समिति के संरक्षक जगमोहन सिंह रावत, अध्यक्ष बीना भट्ट, सदस्य मीनाक्षी जुयाल सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। स्थानीय लोगों ने क्षेत्र की लंबे समय से चली आ रही पेयजल समस्या के समाधान की दिशा में नलकूप निर्माण कार्य शुरू होने पर खुशी जताई और विधानसभा अध्यक्ष का आभार व्यक्त किया।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

संक्षिप्त समाचार

फ्रांस में मानव तस्करी का दोषी ब्रिटेन में फर्जी पहचान के साथ रहता मिला

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में मानव तस्करी के मामले में पांच साल की जेल की सजा पा चुका इराकी कुर्द मूल का ट्वाना जमाल अब ब्रिटेन के लीसेस्टरशायर में रह रहा है और कथित तौर पर शरण मांग रहा है। बीबीसी की जांच में दावा किया गया है कि वह फर्जी नाम से रह रहा है, अवैध रूप से काम कर रहा है और बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन चला रहा है। बीबीसी के अनुसार जमाल को 2016 में फ्रांस की अदालत ने मानव तस्करी के मामले में दोषी ठहराया था। अभियोजन पक्ष का आरोप था कि वह डनकर्क के प्रवासी शिविरों से अवैध प्रवासियों को इंग्लिश चैनल पार कराकर ब्रिटेन भेजने का नेटवर्क चलाता था और इससे हर सप्ताह करीब एक लाख पाउंड तक कमाता था। जांच के दौरान बीबीसी ने उसे लीसेस्टरशायर के ब्लैबी गांव में स्थित एक मिनी-मार्ट में काम करते देखा। रिपोर्ट के मुताबिक उसने खुद को 'सुल्तान' बताया, सामना होने पर उसने कहा कि उसने ब्रिटेन में शरण के लिए आवेदन किया है और अभी फैसला लंबित है। हालांकि, उसने मानव तस्करी और फ्रांस में जेल जाने के आरोपों से इनकार किया।

पाकिस्तान तक्षशिला के दो स्थलों से हटाए पुनर्निर्माण : यूनेस्को

वाशिंगटन, एजेंसी। यूनेस्को ने पाकिस्तान सरकार को तक्षशिला के दो ऐतिहासिक स्थलों मोहरा मोरादु और सिरकप में किए गए पुनर्निर्माण को तुरंत हटाने की चेतावनी दी है। पंजाब पुरातत्व विभाग ने आधुनिक पत्थरों और कंक्रीट से प्राचीन दीवारों की ऊंचाई बढ़ा दी थी, जिससे इसकी मौलिकता प्रभावित हो गई। पर्यटक की शिकायत पर यूनेस्को ने स्पष्ट किया कि यदि निर्माण को नहीं हटाया तो तक्षशिला को विश्व धरोहर की खतरे की सूची में डाल दिया जाएगा।

पाकिस्तान : घर पर ड्रोन से हमला तीन भाई-बहनों की मौत, 8 जख्मी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक घर पर हुए संदिग्ध ड्रोन हमले में तीन भाई-बहनों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। घटना बुधवार देर रात बाजौर जिले के शिनकोट इलाके में हुई। यह इलाका पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा के पास स्थित है। पुलिस ने बताया कि हमले में 15 और 8 साल के दो लड़कों और पांच साल की एक लड़की की मौत हो गई। यह तुरंत पता नहीं चल सका कि ड्रोन हमला किसने किया। किसी गुट ने हमले की जिम्मेदारी भी नहीं ली है।

जून में रिकॉर्ड भारतीय पर्यटकों से गुलजार रहीं नेपाल की वादियां

काठमांडू, एजेंसी। इस साल जून में नेपाल की वादियां भारतीय पर्यटकों से गुलजार रहीं। नेपाल पर्यटन बोर्ड अनुसार, पिछले महीने यहां हवाई यात्रा के जरिये रिकॉर्ड 41,809 भारतीय पर्यटक पहुंचे, जो पिछले साल के इसी महीने (32,662) की तुलना में 28% अधिक है। जून में नेपाल पहुंचने वाले कुल 91,363 विदेशी पर्यटकों में भारत के बाद अमेरिका (11,836), चीन (9,995), बांग्लादेश (4,322) और ब्रिटेन (2,500) का स्थान रहा। वहीं, पिछले छह महीने के आंकड़ों पर नजर डालें तो नेपाल में कुल 6,20,426 विदेशी पर्यटक पहुंचे, जो पिछले वर्ष से 7% अधिक है।

थाईलैंड : 11 साल के लड़के ने भिक्षुओं को कुचला, 8 की मौत

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में बृहस्पतिवार को एक पिकअप ट्रक चला रहे 11 वर्षीय लड़के ने तीर्थयात्रा पर जा रहे भिक्षुओं के समूह को कुचल दिया। इस दुर्घटना में आठ लोगों की मौत हो गई। मुकदहन प्रांत के कुल 35 भिक्षु तीर्थयात्रा पर थे। गवर्नर वोरायन बूननारत ने कहा, पांच भिक्षु मौके पर ही मारे गए जबकि तीन अन्य भिक्षुओं ने अस्पताल में दम तोड़ा। पुलिस ने कहा, चालक ने वाहन पर नियंत्रण खोकर सड़क किनारे चल रहे समूह को रौंद दिया। बूननारत ने बताया कि 14 अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से चार की हालत गंभीर है। स्थानीय पुलिस ने बताया कि लड़के को फिलहाल हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने बताया कि हादसे के कारणों की जांच जारी है।

खामनेई के अंतिम संस्कार से पूर्व ईरान ने चेताया कहा-गलतफहमी से बचें

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने इस्राइल-अमेरिका को देश पर किसी भी तरह के हमले के प्रति चेतावनी दी है। कहा कि आक्रामकता दिखाई तो जवाब भयंकर होगा। यह चेतावनी ऐसे समय पर दी गई है जब ईरान अपने सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई के राजकीय अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहा है। अंतिम संस्कार का जुलूस 4 जुलाई को तेहरान में शुरू होकर 9 जुलाई को उनके गृहनगर (मशहद) में दफनाने के साथ खत्म होगा।

रूस का कीव पर भीषण मिसाइल एवं ड्रोन हमला, 17 लोगों की मौत

कीव, एजेंसी। रूस ने गुरुवार रात यूक्रेन की राजधानी कीव पर मिसाइलों और ड्रोन से भीषण हमला किया जिसमें कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई और 90 से अधिक अन्य घायल हो गए. हमलों के दौरान कई घंटों तक राजधानी में जोरदार धमाकों की आवाजें सुनाई देती रहीं. रूस ने इस हमले को यूक्रेन की ओर से मॉस्को के तेल प्रतिष्ठानों पर किए गए हमलों का प्रतिशोध बताया है. यूक्रेन के इन हमलों से रूस में ईंधन आपूर्ति प्रभावित हुई है और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर दबाव बढ़ा है. बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों तथा ड्रोन से किए गए इस हमले में राजधानी के कई हिस्सों में आवासीय इमारतों और नागरिक बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा. यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और अन्य अधिकारियों की ओर से हमले को लेकर पहली बार सतर्क किए जाने के बाद बड़ी संख्या में लोगों ने सबवे स्टेशनों में शरण ली.

रूस के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह हमला यूक्रेन की ओर से रूस के नागरिक बुनियादी ढांचे पर किए गए हमलों के जवाब में किया गया. हाल के सप्ताहों में रूस ने कीव पर अपने हमले और तेज कर दिए हैं। वहीं, यूक्रेन भी रूस के सैन्य ठिकानों और ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर लगातार ड्रोन हमले कर रहा है, जिससे रूस के भीतर ईंधन की कमी पैदा हुई है और उसकी आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हुई है.

कीव के मेयर विताली क्लित्सको ने बताया कि हमले में 17 लोगों की मौत हुई है जबकि 90 से अधिक अन्य घायल हुए हैं. यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्री सिबिहा ने इस हमले को ''खौफनाक'' करार देते हुए सहयोगी देशों से यूक्रेन की वायु रक्षा क्षमता को और मजबूत करने की अपील की. उन्होंने कहा कि वायु रक्षा प्रणालियों और मिसाइलों की आपूर्ति से जुड़े फैसलों में अब और देरी नहीं की जानी चाहिए.

उन्होंने यूक्रेन के ड्रोन हमलों के जवाब में रूस की कार्रवाई को उचित ठहराने की किसी भी कोशिश को खारिज करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51 के तहत यूक्रेन आत्मरक्षा के अपने अधिकार का प्रयोग कर रहा है जबकि रूस ही आक्रामक रुख अपनाए हुए है.

कीव शहर के सैन्य प्रशासन के प्रमुख तिमूर तकाचेंको ने बताया कि हमले में आवासीय इमारतों और नागरिक बुनियादी ढांचे समेत शहर के 30 स्थानों को नुकसान पहुंचा है. यूक्रेन के गृह मंत्री इहोर क्लीमेंको ने बताया कि करीब 20 आवासीय इमारतें क्षतिग्रस्त हुई हैं. क्लित्स्को ने बताया कि देस्न्यांस्की जिले में एक क्षतिग्रस्त नौ मंजिला आवासीय इमारत में कुछ लोग फंस गए थे, जिन्हें निकालने के लिए बचाव दल को मौके पर भेजा गया. यूक्रेन की आपातकालीन सेवा के अनुसार, होलोसिएव्स्की जिले में 16 मंजिला एक इमारत की छत पर आग लग गई, जिसे बुझाने के लिए करीब 500 कर्मियों और 100 विशेष वाहनों को तैनात किया गया. रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि इस हमले में ''लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियारों'' और ड्रोन का इस्तेमाल कर कीव तथा कीव क्षेत्र में सैन्य उद्योग से जुड़े प्रतिष्ठानों, ईंधन एवं ऊर्जा परिसरों और यूक्रेन के चार अन्य क्षेत्रों में स्थित सैन्य हवाई अड्डों के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया. मंत्रालय ने उन स्थानों की सूची भी जारी की, जिन्हें निशाना बनाए जाने का दावा किया गया है. इनमें अधिकांश यूक्रेन के ड्रोन, मिसाइल और उनके कलपुर्जों के निर्माण एवं संयोजन संयंत्र बताए गए हैं. यूक्रेन की वायु सेना के अनुसार, रूस ने इस हमले में 74 मिसाइलें दागीं, जिनमें 24 बैलिस्टिक मिसाइलें थीं. इसके अलावा विभिन्न प्रकार के 496 ड्रोन भी छोड़े गए.

इस बीच, यूक्रेन के जनरल स्टाफ ने दावा किया कि उसकी सेना ने रातभर चले अभियान में मॉस्को के पूर्व में स्थित निजनी नोवगोरोद क्षेत्र की रूस की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरियों में से एक पर हमला किया, जिससे वहां आग लग गई. जनरल स्टाफ ने यह भी दावा किया कि यूक्रेनी सेना ने रूस के कब्जे वाले लुहान्स्क क्षेत्र में सिवेर्स्की दोनेत्स नदी पर बने एक रेलवे पुल को भी निशाना बनाया. उसके अनुसार, रूसी सेना इस पुल का इस्तेमाल सैनिकों, हथियारों और सैन्य सामग्री की आवाजाही के लिए कर रही थी।

यूएन हेडक्वार्टर के बाहर शख्स ने खुद को आग लगाई: अस्पताल में मौत; तिब्बती झंडे के साथ पहुंचा था, पुलिस ने जांच शुरू की

न्यूयॉर्क सिटी, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) मुख्यालय के बाहर गुरुवार को एक 52 साल के व्यक्ति ने खुद को आग लगा ली। उसके हाथ में तिब्बती झंडा था। सूचना मिलने पर पुलिस और इमरजेंसी टीम मौके पर पहुंची। गंभीर रूप से झुलसे व्यक्ति को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। न्यूयॉर्क पुलिस विभाग ने बताया कि फिलहाल यह साफ नहीं है कि व्यक्ति ने यह कदम क्यों उठाया। मामले की जांच की जा रही है। मृतक की पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है, क्योंकि उसके परिजनों को पहले सूचना दी जानी है। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता ने बताया कि घटना के वक्त सभी आधिकारिक बैठकें खत्म हो चुकी थीं। इसलिए यूएनके नियमित कामकाज पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। आग की लपटों में घिरने के एक मिनट से भी कम समय में वह जमीन पर गिर पड़ा, जबकि ट्रैफिक चलता रहा और कई गाड़ियों के हॉर्न बजते रहे। पुलिस अधिकारी और सुरक्षाकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और 15 सेकंड के भीतर आग बुझा दी। अधिकारियों ने बताया कि उस व्यक्ति को बेलेव्यू अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। इस बीच, तिब्बती झंडा लगभग एक घंटे तक घटनास्थल पर ही पड़ा रहा, जबकि पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर जांच-पड़ताल की। मौके पर मौजूद पुलिस को पर्चे इकट्ठा करते देखा गया, जिनमें से एक पर चीन तिब्बत से बाहर जाए का नारा लिखा था। यह संदेश आम तौर पर तिब्बती स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ा है, जिसे 'फ्री तिब्बत' अभियान के नाम से भी जाना जाता है। फ्री तिब्बत के अनुसार, 2009 से अब तक 150 से ज्यादा तिब्बतियों ने तिब्बत पर चीनी शासन के विरोध में आत्मदाह किया है। फ्री तिब्बत आंदोलन तिब्बतियों के आत्म-निर्णय के अधिकार की बहाली और तिब्बती बौद्ध धर्म के आध्यात्मिक नेता दलाई लामा की तिब्बत वापसी की वकालत करता है।

न्यूयॉर्क की एम्पायर स्टेट बिल्डिंग पर चढ़ा कपल, प्रपोज किया; दोनों गिरफ्तार

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क में एक कपल सुरक्षा व्यवस्था को चकमा देकर एम्पायर स्टेट बिल्डिंग की चोटी पर चढ़ गया। दोनों ने वहां 'व्हेन द पावर ऑफ लव बीट्स द लव ऑफ पावर, द वर्ल्ड नोज पीस' लिखा बैनर लहराया और फिर एक-दूसरे को प्रपोज किया। इस पूरी घटना की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। इसके बाद पुलिस और इमरजेंसी सर्विस के जवान सीढ़ियों के जरिए दोनों तक पहुंचे और उन्हें सुरक्षित नीचे उतारा। एंजेला निकोलाउ और इवान कुजनेत्सोव के खिलाफ सेंधमारी, अवैध घुसपैठ, लापरवाही से जान खतरे में डालने और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने समेत कई धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि दोनों प्रतिबंधित इलाके तक कैसे पहुंचे। यह कपल पहले भी ऊंची इमारतों पर खतरनाक स्टंट करने के लिए जाना जाता है और इन पर 2024 में 'स्काईवॉकर्सः अ लव स्टोरी' नाम की डॉक्यूमेंट्री भी बन चुकी है।

पाकिस्तान: खैबर पख्तूनख्वा में पुलिस टीम पर अंधाधुंध फायरिंग; 2 अधिकारियों की मौके पर मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत उत्तर-पश्चिम प्रांत खैबर पख्तूनख्वा से हिंसा की एक बड़ी खबर सामने आई है। यहां अज्ञात बंदूकधारियों ने पुलिस की एक रूटीन पेट्रोलिंग टीम को निशाना बनाते हुए अंधाधुंध फायरिंग की है।

इस घात लगाकर किए गए हमले में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सहित दो पुलिसकर्मियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल बताया जा रहा है,। इस घटना ने सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अंधेरे का फायदा उठाकर किया हमला : यह वारदात गुरुवार देर रात की बताई जा रही है। अधिकारियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस की मोबाइल पेट्रोलिंग टीम अफगान सीमा के पास खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मोहमंद जिले में अपनी नियमित गश्त पर थी।

हमलावरों ने पहले से ही घात लगा रखी थी और जैसे ही पुलिस की वैन लोअर मोहमंद सब-डिविजन के 'मचनी अकरब दाग' इलाके में पहुंची, उन्होंने चारों तरफ से गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। हमलावरों ने रात के अंधेरे का फायदा उठाया और वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार होने में सफल रहे।

वरिष्ठ अधिकारियों ने गंवाई जान : इस हमले की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि गोलीबारी में एक एडिशनल स्टेशन हाउस ऑफिसर और एक हेड कॉन्स्टेबल की जान चली गई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, इन दोनों अधिकारियों की मौके पर ही मौत हो गई थी। वहीं, पुलिस वैन का ड्राइवर इस हमले में गंभीर रूप से घायल हुआ है। घटना के तुरंत बाद सभी हताहतों को नजदीकी ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत पुलिसकर्मियों के शवों का पंचनामा किया। घायल ड्राइवर की नाजुक स्थिति को देखते हुए उसे प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए पेशावर के एक बड़े अस्पताल में रेफर कर दिया गया है।

सुरक्षा बलों का सर्च ऑपरेशन : हमले की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। जिला पुलिस अधिकारी रजा मुहम्मद और डीएसपी दिलफराज भारी पुलिस बल और अतिरिक्त सुरक्षा दस्ते के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है और हमलावरों की धरपकड़ के लिए सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वे तकनीकी साक्ष्यों और स्थानीय इनपुट के आधार पर आरोपियों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक किसी भी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

खैबर पख्तूनख्वा में लगातार हो रही हिंसा : खैबर पख्तूनख्वा का यह इलाका लंबे समय से उग्रवाद और हिंसा की चपेट में रहा है। अफगान सीमा से सटे होने के कारण यहां अक्सर सुरक्षा बलों को निशाना बनाया जाता रहा है। पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि क्या इस हमले के पीछे किसी विशेष आतंकवादी गुट का हाथ है। फिलहाल, पूरे जिले में अलर्ट जारी कर दिया गया है और संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

इंडोनेशिया के पापुआ में अमेरिकी पायलट की हत्या, अलगाववादियों ने फूंका पूरा विमान

पापुआ, एजेंसी। इंडोनेशिया के पापुआ में हथियारबंद अलगाववादी विद्रोहियों ने एक बहुत ही दर्दनाक और दिल दहला देने वाली घटना को अंजाम दिया है। इन खतरनाक विद्रोहियों ने एक अमेरिकी पायलट की सरेआम गोली मारकर निर्मम हत्या कर दी है और उनके विमान को भी पूरी तरह से आग के हवाले कर दिया है। इस भयानक और हिंसक हमले की पूरी जिम्मेदारी वहां के सशस्त्र अलगाववादी समूह वेस्ट पापुआ नेशनल लिबरेशन आर्मी ने ली है। अलगाववादियों ने इस हमले को इंडोनेशिया और अमेरिकी सरकार दोनों के लिए एक बहुत ही बड़ी और खतरनाक चेतावनी बताया है। संगठन का दावा है कि उनके लड़ाकों ने अमेरिकी पायलट निकोलस एफ गोसेलिन को उस समय गोली मारी जब उनका विमान जमीन पर उतरा। यह दर्दनाक घटना हाइलैंड पापुआ प्रांत के सुदूर जिले याहुकिमो में हुई है जहां उतरने के बाद विमान का अचानक संपर्क टूट गया था। इंडोनेशियाई अधिकारियों के मुताबिक इस जले हुए विमान में एक अमेरिकी पायलट और पापुआ के सात आम यात्री भी सवार थे। इस दर्दनाक घटना के बाद पूरे इलाके में काफी ज्यादा दहशत फैल गई है और स्थानीय प्रशासन पूरी जानकारी जुटाने में लगा है। विद्रोही समूह के प्रवक्ता सेब्य संबोम ने कहा कि इस हिंसक हमले का मुख्य मकसद जकार्ता और वॉशिंगटन को एक कड़ा संदेश देना था। उनका गंभीर आरोप है कि इस विमान ने संगठन की चेतावनियों के बावजूद बार-बार उनके कब्जे वाले क्षेत्र में अपनी उड़ान भरी थी। संबोम ने कहा कि हमारे अल्टीमेटम का सीधा उल्लंघन करने के कारण ही लड़ाकों ने तुरंत फायरिंग की और विमान को पूरी तरह जला दिया। विद्रोहियों ने यह भी आरोप लगाया है कि नागरिक विमानों का इस्तेमाल इंडोनेशियाई सेना के जवानों को सुरक्षित लाने के लिए हो रहा था। इन विमानों से सैन्य रसद और हथियारों को उन संवेदनशील इलाकों में ले जाया जा रहा था जिन पर विद्रोहियों का दावा है। संबोम ने चेतावनी दी है कि उनके रेड जोन में अगर नागरिक उड़ानें जारी रहीं तो ऐसे घातक और जानलेवा हमले आगे भी होते रहेंगे। इंडोनेशिया की सरकार ने एयरपोर्ट पर विमान के जलने की आधिकारिक पुष्टि कर दी है लेकिन मामले की तहकीकात अभी भी जारी है। इंडोनेशिया के नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने बताया कि यह जला हुआ विमान पीटी एएमए एयरलाइन का था जो जरूरी सामान पहुंचाती है। वामेना से उड़ान भरने के बाद याहुकिमो में उतरते ही इस नागरिक विमान का कंट्रोल रूम से संपर्क पूरी तरह से टूट गया था। पापुआ में साल 1969 से ही यह हिंसक और सशस्त्र अलगाववादी आंदोलन लगातार पूरी तेजी और आक्रामकता के साथ चल रहा है। इससे पहले फरवरी 2023 में भी इन विद्रोहियों ने न्यूजीलैंड के एक पायलट फिलिप मेहरटेंस को अपना निशाना बनाकर अगवा कर लिया था।

मौत को मात ! वेनेजुएला में 8 दिन बाद मलबे से जिंदा निकला शख्स

काराकास, एजेंसी। वेनेजुएला में पिछले दिनों आए विनाशकारी भूकंप ने जहां हजारों घरों को मलबे में तब्दील कर दिया और 2200 से अधिक लोगों की जान ले ली, वहीं इसी मलबे के नीचे से उम्मीद की एक ऐसी किरण निकली है जिसने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है। 24 जून को आए भीषण भूकंप के आठ दिन बाद, बचाव दल ने 'गैलरियस प्लाया ग्रांडे' शॉपिंग सेंटर के बेसमेंट से 43 वर्षीय सुरक्षा गार्ड हर्नान अल्बर्टो गिल फ्लोरेस को जिंदा बाहर निकाला है। इसे इस सदी के सबसे मुश्किल और चमत्कारी रेस्क्यू ऑपरेशनों में से एक माना जा रहा है।

100 घंटे से भी ज्यादा लगा समय : हर्नान को मलबे से बाहर निकालना कोई आसान काम नहीं था। बचाव कर्मियों ने उन्हें ढूंढने और बाहर निकालने के लिए 100 घंटे से भी ज्यादा समय तक बिना रुके काम किया। इस ऑपरेशन की सबसे बड़ी चुनौती अस्थिर ढांचा, भारी बारिश और लगातार आ रहे आफ्टरशॉक्स थे।

इस बचाव कार्य में केवल वेनेजुएला की टीमें ही नहीं, बल्कि चिली, अमेरिका, पुर्तगाल, मैक्सिको, कोस्टा रिका और अल साल्वाडोर की विशेषज्ञ टीमों ने भी दिन-रात एक कर दिया।

मौत के केबिन में कैसे बची जान : हर्नान गिल फ्लोरेस उस शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में नाइट-शिफ्ट गार्ड के तौर पर काम करते थे। जब 7.2 और 7.5 तीव्रता के जबरदस्त झटके लगे, तो हर्नान अपने छोटे से सिक्योरिटी केबिन के अंदर थे।किस्मत से कंक्रीट का भारी ढांचा गिरा तो सही, लेकिन उनकी केबिन टिकी रही, जिससे वहां हवा आने-जाने की एक छोटी सी जगह बन गई और वे मलबे के नीचे दबने से बच गए। रेस्क्यू के दौरान एक भावुक क्षण तब आया जब कोस्टा रिका रेड क्रॉस की टीम हर्नान तक पहुंची। हर्नान ने डर के मारे रेस्क्यूअर से कहा था कि वे उनकी पत्नी को न बताएं कि वह जिंदा है, क्योंकि उन्हें डर था कि शायद वह बाहर निकलने तक जीवित न रह पाएं। हालांकि, उनकी पत्नी गुसबिमार गोंजालेज ने हार नहीं मानी थी। उन्होंने बताया कि जब उन्हें पति के जीवित होने का पता चला, तो उन्हें 'अंधेरे में उम्मीद की एक किरण' दिखाई दी। मलबे के नीचे दबे होने के बावजूद हर्नान ने अपना हौसला नहीं खोया। बचाव दल ने टेलीस्कोपिक कैमरों के जरिए उन पर नजर रखी और एक संकरे रास्ते से उन्हें पानी और तरल पोषक तत्व पहुंचाए। बचाव के आखिरी घंटों में वे समय बिताने के लिए ड्राइंग कर रहे थे, ताकि उनका ध्यान डर से हट सके।

पीओके में होने वाले चुनाव नहीं लड़ेगी इमरान खान की पार्टी, कश्मीरियों के लिए मांगा इंसाफ

मुजफ्फराबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर यानी पीओके में होने वाले चुनाव को लेकर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने बड़ा फैसला लिया है। इमरान की पार्टी 27 जुलाई को होने वाले पीओके विधानसभा चुनाव का बहिष्कार करेगी। पार्टी ने यह बड़ा फैसला मौजूदा हालात और कश्मीरियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए लिया है।

पीटीआई ने क्यों किया चुनाव के बहिष्कार का ऐलान : पीटीआई के प्रवक्ता की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि मौजूदा परिस्थितियों में पार्टी इस चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा नहीं बनेगी। पार्टी का कहना है कि चुनाव न लड़ने के फैसले का मकसद कोई राजनीतिक लाभ उठाना या नुकसान से बचना नहीं है। यह कदम केवल कश्मीरी अवाम के साथ एकजुटता दिखाने और लोकतंत्र के सम्मान में उठाया गया है। प्रवक्ता ने साफ किया कि जब तक एक स्वतंत्र, न्यायपूर्ण और शांतिपूर्ण राजनीतिक माहौल नहीं बन जाता, तब तक पीटीआई किसी भी चुनावी प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लेगी। बता दें कि पूर्व सत्ताधारी पार्टी पीटीआई वर्तमान में केंद्र में प्रमुख विपक्षी दल है।

पीओके में इस वक्त क्या हैं हालात : पीटीआई ने अपने बयान में प्रतिबंधित संगठन 'जम्मू कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी' के लगातार हो रहे विरोध प्रदर्शनों का भी जिक्र किया। पार्टी ने कहा कि यह क्षेत्र इस वक्त गंभीर संकट से जूझ रहा है। रावलकोट समेत पीओके के कई अन्य हिस्सों में हजारों नागरिक धरने पर बैठे हैं। हाल ही में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद, पीओके की कठपुतली सरकार ने 5 जून को आतंकवाद विरोधी अधिनियम के तहत जेएएसी पर प्रतिबंध लगा दिया था। यह बैन 9 जून को होने वाले जेएएसी के उस प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन से ठीक पहले लगाया गया, जिसमें 1947 के बाद जम्मू-कश्मीर से पाकिस्तान गए शरणार्थियों के लिए पीओके में आरक्षित 12 सीटों को खत्म करने की मांग की जानी थी। भोजन आपूर्ति रोकने का लगाया आरोप पीटीआई ने मांग की है कि क्षेत्र में राजनीतिक अस्थिरता को और अधिक बढ़ने से रोकने के लिए स्थानीय लोगों के मुद्दों का तुरंत समाधान किया जाना चाहिए। पार्टी ने आरोप लगाया है कि पंजाब प्रांत से पीओके के लिए भोजन की आपूर्ति 'पूरी तरह से रोक' दी गई है। हालांकि, शहबाज शरीफ सरकार और पुलिस प्रमुख ने कुछ दिन पहले ही इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया था।

टिकट बंटवारे पर रोक : चुनाव के बहिष्कार के फैसले के बाद पीटीआई संसदीय बोर्ड ने उम्मीदवारों को टिकट देने से जुड़ी सभी सिफारिशों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। प्रवक्ता ने बताया कि जब तक 'अगले आदेश' नहीं आ जाते, तब तक किसी भी स्तर पर आगे की कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। अब पूरी दुनिया की नजरें 27 जुलाई को होने वाले इन चुनावों पर टिकी हैं। इमरान खान की पार्टी जैसी प्रमुख राजनीतिक शक्ति के चुनावी मैदान से बाहर रहने के कारण अब चुनावी मुकाबला एकतरफा होने की संभावना बढ़ गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि मुख्य विपक्षी दल की अनुपस्थिति न केवल चुनाव की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करती है।

अपने करियर के बड़े प्रोजेक्ट्स - 'राका' और 'एए23' के लिए तैयारी कर रहे हैं अल्लू अर्जुन

अल्लू अर्जुन अपने करियर के अगले पड़ाव के लिए तैयार हो रहे हैं। पिछले दो वर्षों से अपनी फिल्मों की कामयाबी और ऑफ-स्क्रीन विवादों की वजह से चर्चा में रहे यह एक्टर अब अपने करियर के दो सबसे बड़े प्रोजेक्ट्स - 'राका' और 'एए23' के लिए तैयारी कर रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अल्लू अर्जुन अभी 'राका' के लिए अपने हिस्से की शूटिंग पूरी करने पर ध्यान दे रहे हैं। इस फिल्म का प्रोडक्शन 2026 के आखिर तक चलने की उम्मीद है। खबर है कि एक्टर सितंबर 2026 तक अपना शेड्यूल पूरा करना चाहते हैं। इसके बाद वह अपना ध्यान फिल्म 'एए23' पर देना चाहते हैं। इसकी शूटिंग दिसंबर में शुरू होने की संभावना है।

बड़े प्रोडक्शन की होगी जरूरत

कहा जा रहा है कि फिल्म 'राका' बड़े पैमाने पर बनाई जा रही है। इसमें बहुत ज्यादा विजुअल इफेक्ट्स और बड़े प्रोडक्शन की जरूरत होगी। बताया यह भी जा रहा है कि फिल्मिंग पूरी होने के बाद भी वीएफएक्स के ज्यादा इस्तेमाल की वजह से फिल्म को लंबे पोस्ट-प्रोडक्शन प्रोसेस से गुजरना होगा। खबर है कि मेकर्स इसे 2028 के बीच में रिलीज करने की सोच रहे हैं, जिससे उन्हें तकनीकी पहलुओं को बेहतर बनाने और विजुअल को अच्छा करने के लिए काफी समय मिल जाए।

'एए23' को लेकर बढ़ी उत्सुकता

अल्लू अर्जुन 'एए23' पर काम करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस फिल्म के ऐलान के बाद से ही लोगों में इसे लेकर काफी उत्सुकता है और इसे एटली डायरेक्ट कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि इस फिल्म को ग्लोबल लेवल पर एक कमर्शियल एंटरटेनर के तौर पर प्लान किया जा रहा है, जिसमें भारत के सबसे बड़े स्टार्स में से एक और सबसे सफल मास फिल्ममेकर्स में से एक साथ आ रहे हैं।

मुश्किल दौर ने बदली जिंदगी, फिल्मों में काम रुका तो फैशन बिजनेस में रखा कदम

अभिनेत्री और वीडियो जॉकी (वीजे) रिया चक्रवर्ती एक ऐसा नाम है, जिन्होंने कड़ी मेहनत और हुनर के दम पर सोशल मीडिया, टेलीविजन और फिल्म इंडस्ट्री में एक पहचान बनाई है। रिया चक्रवर्ती का जन्म 1 जुलाई 1992 को एक बंगाली परिवार में हुआ था। रिया के पिता इंद्रजीत चक्रवर्ती आर्मी में रहे हैं। उन्होंने अपनी शुरुआती पढ़ाई अंबाला कैंट के आर्मी पब्लिक स्कूल से की। रिया ने करियर की शुरुआत 2009 में एमटीवी पर आए रियलिटी शो 'टीवीएस स्कूटी टीन दिवा' से की। इसमें वह पहली रनर-अप रहीं। इसके बाद वह 'पेप्सी एनटीवी वासुप', 'टिकटैक कॉलेज बीट', 'एमटीवी गॉन इन 60 सेकेंड्स' और 'एमटीवी रोडीज - कर्म या कांड' जैसे लोकप्रिय रियलिटी शो में बतौर होस्ट के रूप में नजर आईं।

रिया ने अपनी एक्टिंग करियर की शुरुआत 2012 में तेलुगु फिल्म 'तुनीगा तुनीगा' से की। इसके बाद उन्होंने 2013 में 'मेरे डैड की मारुति' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। अभिनेत्री ने इसके बाद कई फिल्मों में अपनी एक्टिंग और खूबसूरती का जलवा बिखेरा, जिसमें 'सोनाली केबल', 'जलेबी', 'बैंक चोर' और 'चेहरे' जैसी फिल्में शामिल हैं। इन फिल्मों ने लोगों के बीच पहचान दिलाई। हालांकि, 2020 में अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के असामयिक निधन के बाद, रिया के जीवन में एक ऐसा मोड़ आया, जिसने उन्हें मीडिया और कानूनी जांच के केंद्र में ला दिया। दरअसल, रिया उस समय सुशांत को डेट कर रही थी, लेकिन सुशांत की संदिग्ध मौत से वह कई सवालों के घेरे में आ गईं।

इस मामले में ड्रग्स से जुड़े आरोपों के कारण उन्हें अपने भाई शोविक चक्रवर्ती के साथ जेल में लगभग 28 दिन बिताना पड़ा था, लेकिन लगभग 5 वर्षों के मुश्किल समय के बाद केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने रिया को सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में मार्च 2025 में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर क्लीन चिट दे दी। जानकारी के मुताबिक, 2020 के मुश्किल दौर के बाद अभिनेत्री को फिल्म इंडस्ट्री में काम मिलना बंद हो गया था। उस समय उन्होंने 2023 में अपने भाई शोविक चक्रवर्ती के साथ मिलकर एक स्ट्रीटवियर फैशन ब्रांड शुरू किया, जिसका नाम उन्होंने 'चैप्टर 2 ड्रिप' रखा। यह ब्रांड ओवरसाइज्ड टी-शर्ट, हुडी और अन्य यूनीसेक्स कपड़ों के लिए जाना जाता है, जिसकी वैल्यूएशन बहुत ही कम समय में करोड़ों में हो गई है।

अहमद खान ने बताया क्यों 'वेलकम टू द जंगल' से बाहर हुए संजय दत्त?

अहमद खान द्वारा निर्देशित फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। फिल्म को दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार प्रदर्शन कर रही है। हालांकि, फिल्म के प्रोमो में दिखाए गए लगभग पांच एक्टर फिल्म से गायब दिखे। जिसके बाद दर्शकों के मन में उन कलाकारों के रोल्स को लेकर सवाल जरूर हैं। अहमद खान ने फिल्म से संजय दत्त के गायब होने के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संजय दत्त ने 'वेलकम टू द जंगल' इसलिए छोड़ी क्योंकि उन्हें शूटिंग की तारीखों में दिक्कत थी और उन्हें इलाज के लिए अमेरिका जाना था। उन्होंने एक्टर और फिल्म की टीम के बीच किसी भी तरह के तनाव की बात को खारिज कर दिया। निर्देशक ने कहा कि संजू बाबा को स्क्रिप्ट बहुत पसंद आई थी और वह सच में फिल्म का हिस्सा बनना चाहते थे। फिल्म में उनके कई दोस्त थे जैसे जग्गू दादा (जैकी श्रॉफ), अक्षय कुमार वगैरह। वह बहुत उत्साहित थे। हमने उनके साथ फिल्म का कुछ हिस्सा शूट भी किया था। लेकिन उन्हें तारीखों की दिक्कत थी। उन्हें अमेरिका जाना था। वह इलाज के लिए वहां गए थे और मैं इतने सारे एक्टर्स की तारीखें नहीं बदल सकता था।

'लॉक अप 2' में 'जनता की आवाज' बनकर आएंगी कंगना

अभिनेत्री कंगना रनौत इस हफ्ते के आखिर में नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो 'लॉक अप: सच या सजा' में एक खास मेहमान के रूप में दिखाई देंगी। इस बार वह शो में 'जनता की आवाज' बनकर एंट्री लेंगी।

खबर के अनुसार, शो से पहले कंटेस्टेंट के एलिमिनेशन के दौरान कंगना मुख्य होस्ट फराह खान और रितेश देशमुख के साथ जूरी का हिस्सा बनेंगी। कंगना ने कहा कि यह शो सच को स्वीकार करने के बारे में है और यहां हर फैसले की एक कीमत चुकानी पड़ती है। इस शो के पिछले सीजन को खुद कंगना ने ही होस्ट किया था, इसलिए उनकी वापसी से फैंस काफी उत्साहित हैं। इस नए सीजन में धीरज धूपर, हर्षद चोपड़ा और शिवांगी जोशी समेत 15 कंटेस्टेंट्स शामिल हैं।

फिल्म 'क्वीन 2' की शूटिंग हुई पूरी

टीवी शो के अलावा कंगना अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म 'क्वीन' के सीक्वल यानी 'क्वीन 2' को लेकर भी चर्चा में हैं। कंगना ने सोशल मीडिया पर बताया कि इस फिल्म की मुख्य शूटिंग अब पूरी हो चुकी है। उन्होंने पूरी टीम के साथ इसका जश्न भी मनाया। हाल ही में कंगना रनौत फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' में नजर आई थीं, जो 12 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

'राका' में अहम भूमिका निभाएंगी रश्मिका मंदाना

'पुष्पा' में रश्मिका मंदाना और अल्लू अर्जुन की जबरदस्त केमिस्ट्री को दर्शकों ने खूब पसंद किया था, और अब खबर है कि ये जोड़ी फिल्म 'राका' में फिर साथ नजर आएगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रश्मिका मंदाना इस फिल्म में एक अहम भूमिका निभाएंगी। फिल्म की शूटिंग का पहला शेड्यूल जल्द ही मुंबई में शुरू होने वाला है और रश्मिका भी जल्द इस शेड्यूल को जॉइन करेंगी। डायरेक्टर एटली की इस फिल्म को लेकर पहले से ही काफी चर्चा है, और रश्मिका की एंट्री से फैंस का एक्साइटमेंट और बढ़ गया है। दर्शक इस प्रोजेक्ट से जुड़ी हर नई अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

क्या शाहरुख का होगा कैमियो?

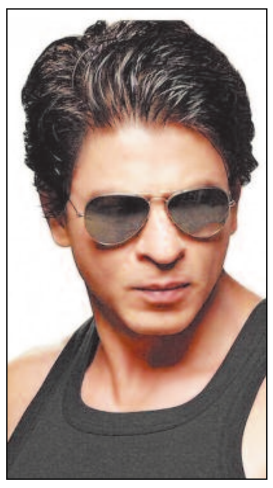

खबरों की मानें तो इस फिल्म में रश्मिका के अलावा मृणाल ठाकुर और जाह्नवी कपूर भी अहम किरदारों में नजर आ सकती हैं। वहीं, यह भी चर्चा है कि शाहरुख खान फिल्म में कैमियो कर सकते हैं, हालांकि अभी तक मेकर्स की तरफ से इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। हाल ही में ऐसी भी खबर आई थी कि फिल्म का टीजर एक वर्चुअल इवेंट में लॉन्च किया जा सकता है, जिसमें एटली, अल्लू अर्जुन और दीपिका पादुकोण शामिल हो सकते हैं।

'राका' का पहला पोस्टर आया सामने

अल्लू अर्जुन के 44वें जन्मदिन के मौके पर मेकर्स ने 'राका' का पहला पोस्टर रिलीज किया था। इस पोस्टर में अल्लू अर्जुन का चेहरा फर के पीछे आंशिक रूप से छिपा हुआ नजर आता है, जिसमें उनके लुक को काफी वाइल्ड और दमदार दिखाया गया है। उनकी आंखें काफी पावरफुल और रहस्यमयी लग रही हैं। बताया जा रहा है कि 'राका' को 700 करोड़ रुपये से ज्यादा के बड़े बजट पर बनाया जा रहा है। इस फिल्म को सन पिक्चर्स प्रोड्यूस कर रही है। मुंबई में जल्द ही इसका अगला शूटिंग शेड्यूल शुरू होगा और पूरे साल इसकी शूटिंग जारी रह सकती है।

यदि कंटैंट में दम नहीं है तो आप ऑडियंस को खो देंगे

अली असगर उन सधे हुए कलाकारों में से है, जिन्होंने हर किरदार में जान डाली है। बात कॉमेडी की आई, तो उन्होंने ऐसी छाप छोड़ी है, जो ताउम्र दुनिया को हंसाते रहेगी। टीवी पर 'कॉमेडी सर्कस', 'जरा नचके दिखा', 'एंटरटेनमेंट के लिए कुछ भी करेगा' जैसे शोज के जरिए वह दशकों से दर्शकों का मनोरंजन कर रहे हैं।

55 साल के अली कहते हैं कि बदलते दौर के साथ अब कॉमेडी भी बदल गई है। खास बातचीत में उन्होंने कॉमेडी के बदलते स्वरूप पर दो टूक राय दी। कहा, 'जैसे-जैसे दौर बदलता है, वैसे-वैसे कॉमेडी भी बदलती है। जब 'कॉमेडी सर्कस' शुरू हुआ तो बहुत लंबा चला। लेकिन मुझे नहीं लगता कि वही चीज आज उतना चल पाएगी, क्योंकि आखिर आप कितनी चीजें क्रिएट करोगे।' मुंबई में पैदा हुए अली असगर मानते हैं कि समय के साथ ही ऑडियंस भी जल्दी ऊब जाती है। अब दर्शकों का अटेंशन स्पैन कम हो गया है। अब इंस्टाग्राम रील्स वगैरह के कारण 15-30 सेकंड तक या ज्यादा से ज्यादा 1 मिनट तक ही आप दर्शकों को रोक सकते हैं। इसके बाद सारा दारोमदार आपके कंटेंट पर है। यदि कंटेंट में दम नहीं है, परफॉर्मेंस अच्छी नहीं है तो आप ऑडियंस को खो देंगे। जहां तक क्लीन कॉमेडी की बात है, तो दादा-दादी से लेकर बच्चों तक, पूरा परिवार एकसाथ देख सके, वह कंटेंट तो और भी मुश्किल है।

बदलते वक्त में फिल्म इंडस्ट्री के लोगों पर भी प्रेशर बढ़ा है। कई सितारे इस बारे में अपनी बात कह भी चुके हैं। अली कहते हैं, 'प्रेशर तो हर जगह है, हर फील्ड में है। सिनेमा एक्टर्स को सबसे ज्यादा प्रेशर होता है कि शुक्रवार को क्या होगा। उनके सिर पर तो करोड़ों रुपये का दांव लगा होता है। टीवी में हम एक्टर्स का इतना कुछ दांव पर नहीं होता, क्योंकि पैसा, प्रोडक्शन किसी और का है। हम तो किरदार निभाते हैं। जो कैरेक्टर हमें मिलता है, हम उसे अच्छे से निभाने की कोशिश करते हैं। लेकिन अगर वह चीज नहीं चलती है, तो उसका दोष भी हमारे ऊपर आ जाता है। कई बार फिल्म नहीं चलती है तो डायरेक्टर को कोई दोष नहीं देता है, बल्कि लोग कहते हैं कि उस कलाकार की फिल्म नहीं चली। लेकिन सच तो यह है कि यह पूरी एक टीम है, कई डिपार्टमेंट उसमें जुड़े होते हैं।'

हर कलाकार के लिए थिएटर जरूरी

अली असगर उन कलाकारों में से हैं, जो टीवी और फिल्मों के साथ ही थिएटर के मंच पर भी लगातार परफॉर्म करते हैं। हाल ही वह दिल्ली में भी रंगमंच पर 'टॉम एंड जैरी' नाम के नाटक की प्रस्तुति करते देखे गए। जब अली असगर से पूछा गया कि टीवी के दर्शक और थिएटर के दर्शकों में क्या अंतर होता है? उन्होंने जवाब दिया, 'जिस शिद्दत से हम थिएटर में परफॉर्म करते हैं, उसी शिद्दत से हमें दर्शकों की प्रतिक्रिया भी मिलती है। यहां आपको तुरंत रिस्पॉन्स मिलता है।

जैसे ही प्ले शुरू होता है, आपको ऑडियंस के साथ तुरंत रिश्ता बनाना होता है। वह रिश्ता बनाना चुनौतीपूर्ण भी है, आकर्षित भी करता है और जरूरी भी है। वहां आपको बहुत सावधान भी रहना होता है, क्योंकि कोई कट तो होता नहीं है। इसलिए मौके को देखकर ही खुद को सुधारना होता है। मैं तो सभी कलाकारों से कहूंगा कि आप लोग भी आकर थिएटर करें। यह हमारे लिए एक मेंटल एक्सरसाइज है और चैलेंजिंग भी है।'

आखिरी दिन प्रज्ञानंद ने मारी बाजी, लगातार तीन जीत के दम पर संयुक्त नंबर-1 बने भारतीय स्टार

जैग्रेब (क्रोएशिया)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने ग्रैंड चेस टूर के क्रोएशियाई चरण के रैपिड सेक्शन के अंतिम दिन शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने आखिरी दिन लगातार तीन मैच जीतकर कुल 12 अंकों के साथ फ्रांस के फिरौज्जा अलीरेजा के साथ संयुक्त रूप से पहला स्थान हासिल कर लिया है। दूसरे दिन के खेल के बाद प्रज्ञानंद थोड़ा पिछड़ गए थे, लेकिन उन्होंने आखिरी तीन दौर के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ खेल बचाकर रखा था। उन्होंने क्रोएशिया के इवान सारिक, रोमानिया के डीक बोग्डन-डेनियल और नीदरलैंड के अनीश गिरी को शिकस्त देकर अलीरेजा की बराबरी की।

इस प्रतियोगिता के रैपिड सेक्शन में फ्रांस के मैक्सिम वाचिएर-लाग्रेव और उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने भी बेहतरीन अंत किया। ये दोनों खिलाड़ी 11 अंकों के साथ शीर्ष पर मौजूद दोनों लीडर्स के बेहद करीब बने हुए हैं। वहीं, भारत के विश्व चैंपियन डी गुकेश और जर्मनी के विंसेंट कीमर भी 10-10 अंकों के साथ उनके ठीक पीछे मजबूती से डटे हुए हैं।ब्लिट्ज सेक्शन में अभी 18 दौर के मुकाबले खेले जाने बाकी हैं। फिलहाल, अनीश गिरी आठ अंकों पर हैं और वह डीक बोग्डन-डेनियल तथा नीदरलैंड के जॉर्डन वैन फोरेस्ट से एक पूरा अंक आगे हैं। इसके विपरीत, इवान सारिक के खाते में केवल दो अंक हैं और वह अंक तालिका में सबसे आखिरी स्थान पर हैं।

प्रज्ञानंद ने आखिरी तीन राउंड में विपक्षी दिग्गजों को कैसे मात दी

प्रज्ञानंद के लिए दिन की शुरुआत बेहद सकारात्मक रही। टूर्नामेंट में संघर्ष कर रहे इवान सारिक के खिलाफ शुरुआती चालों के बाद ही भारतीय खिलाड़ी मजबूत स्थिति में आ गए थे। कारो-कैन डिफेंस की वजह से प्रज्ञानंद को शुरुआत से ही सक्रिय स्थिति मिल गई थी। हालांकि इसे जीत में बदलने में लंबा समय लगा, लेकिन प्रज्ञानंद का खेल पर पूरा नियंत्रण बना रहा। दूसरे मुकाबले में प्रज्ञानंद ने पेट्रोफ डिफेंस का सामना करते हुए डीक बोग्डन-डेनियल की रक्षापंक्ति को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। खेल की 15वीं चाल तक ही परिणाम की तस्वीर साफ होने लगी थी। रोमानियाई खिलाड़ी ने जल्द ही अपना एक मोहरा गंवा दिया और वह मुकाबले में दोबारा वापसी नहीं कर सके।दिन के आखिरी मैच में प्रज्ञानंद ने आम तौर पर मजबूत माने जाने वाले अनीश गिरी के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने कैटलन ओपनिंग के जरिए एक प्यादा जीता और फिर बेहतरीन टैक्टिकल सूझबूझ दिखाते हुए मैच को कुशलता से समाप्त किया। यह मुकाबला महज 34 चालों में ही खत्म हो गया।

विश्व चैंपियन डी गुकेश के लिए यह दिन कुछ अलग साबित हुआ

प्रज्ञानंद के विपरीत, सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन डी गुकेश के लिए यह दिन थोड़ा अलग और मिलाजुला रहा। वह अपने तीनों मुकाबले ड्रॉ ही खेल सके, जिसके कारण वह शीर्ष रेस में थोड़े पीछे रह गए। अब्दुसत्तोरोव, कीमर और अलीरेजा इन तीनों ही खिलाड़ियों ने गुकेश के साथ अंक बांटे।

रैपिड सेक्शन के 9 दौर के बाद क्या है अंक तालिका की स्थिति

पहला-दूसरा स्थानः फिरौज्जा अलीरेजा (फ्रांस), आर प्रज्ञानंद (भारत)- 12 अंक प्रत्येक

तीसरा-चौथा स्थानः मैक्सिम वाचिएर-लाग्रेव (फ्रांस), नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव (उज्बेकिस्तान)- 11 अंक प्रत्येक

पांचवां-छठा स्थानः डी गुकेश (भारत), विंसेंट कीमर (जर्मनी)- 10 अंक प्रत्येक

सातवां स्थानः अनीश गिरी (नीदरलैंड)- 8 अंक

आठवां-नौवां स्थानः डीक बोग्डन-डेनियल (रोमानिया), जॉर्डन वैन फोरेस्ट (नीदरलैंड)- 7 अंक प्रत्येक

दसवां स्थानः इवान सारिक (क्रोएशिया)- 2 अंक

मेसी के विश्वकप में 20 गोल

एम्बाप्पे पर बनाई बढ़त गोल्डन बूट की दौड़ में आगे

मियामी, एजेंसी। अर्जेंटीना के स्टार खिलाड़ी लियोनल मेसी ने फिर गोल किया और केप वर्डे के खिलाफ फीफा विश्व कप का लगातार आठवां मैच था जिसमें अर्जेंटीना के कप्तान ने कम से कम एक गोल दागा है। मेसी ने केप वर्डे के खिलाफ 29वें मिनट में विश्व कप के अपने करियर का 20वां गोल किया। वह विश्व कप के इतिहास में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं जबकि, फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे उनसे दो गोल पीछे हैं।

मेसी ने दागा मौजूदा विश्व कप का सातवां गोल

इस साल टूर्नामेंट में मेसी का यह सातवां गोल था और गोल्डन बूट की दौड़ में एम्बाप्पे उनसे एक गोल पीछे हैं। पिछले आठ विश्व कप मैचों में मेसी 12 गोल कर चुके हैं। मेसी के साथ अर्जेंटीना और इंटर मियामी के लिए खेलने वाले रॉड्रिगो डि पॉल ने कहा, मेरे लिए मेसी की दोस्ती सबसे अहम चीज है और मैं खुशकिस्मत हूं कि इन पलों में उसके साथ मैदान पर हूं।मेसी ने मार्टिनेज के पास पर केप वर्डे के स्टार गोलकीपर वोजिन्हा को छकाते हुए यह गोल दागा। मेसी और एम्बाप्पे के अलावा नॉर्वे के एर्लिंग हालंद और इंग्लैंड के हैरी केन भी पांच-पांच गोल करके विश्व कप में सबसे ज्यादा गोल करने के गोल्डन बूट पुरस्कार की दौड़ में हैं। फ्रांस के उस्मान डेम्बेले, स्पेन के मिकेल ओयारजाबाल, ब्राजील के विनिशियस जूनियर और सेनेगल के इस्माइला सार ने चार-चार गोल किए हैं। सार दौड़ से बाहर हैं क्योंकि सेनेगल बाहर हो चुकी है।

कभी गोल्डन बूट नहीं जीत सके हैं मेसी

नॉर्वे, इंग्लैंड और फ्रांस अंतिम 16 में हैं। केप वर्डे को हराकर अर्जेंटीना भी अगले दौर में पहुंच चुका है। मेसी ने कभी गोल्डन बूट नहीं जीता। विश्व कप 2022 में सात गोल करके वह एम्बाप्पे से एक गोल पीछे रह गए थे, जबकि 2014 में चार गोल करके संयुक्त तीसरे स्थान पर थे। अगर टूर्नामेंट के बाद शीर्ष पर टाई रहता है तो फीफा पहले टाइब्रेकर के रूप में यह देखेगा कि कितने गोल में मदद की है और दूसरा टाइब्रेकर यह होगा कि मैदान पर किसने कम समय बिताया है। एमेबाप्पे गोल में सहायता के मामले में मेस्सी से 2-0 से आगे हैं।

पेनल्टी शूटआउट में मिस्र का कमाल ऑस्ट्रेलिया को हरा राउंड ऑफ-16 में

डलास, एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में मिस्र ने इतिहास रचते हुए ऑस्ट्रेलिया को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराकर पहली बार विश्व कप के नॉकआउट मुकाबले में जीत दर्ज की। निर्धारित समय और अतिरिक्त समय तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहा, जिसके बाद मैच का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ। मिस्र ने अपनी चारों पेनल्टी सफलतापूर्वक गोल में बदली, जबकि ऑस्ट्रेलिया के हैरी साउटर और लुकास हेरिंगटन अपने प्रयासों में चूक गए।

मुकाबले की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया ने आक्रामक रुख अपनाया और क्रिस्टियन वोल्पाटो का लंबी दूरी का शॉट क्रॉसबार से टकराया। इसके कुछ ही मिनट बाद मिस्र ने 13वें मिनट में बढ़त बना ली। सेट पीस से बने मौके पर करीम हाफेज के क्रॉस को इमाम अशूर ने शानदार हेडर के जरिए गोल में बदल दिया। विश्व कप में अशूर का यह लगातार दूसरा गोल रहा।दूसरे हाफ में ऑस्ट्रेलिया ने बराबरी हासिल कर ली। 55वें मिनट में एडेन ओ'नील की फ्री-किक पर मिस्र के डिफेंडर मोहामेद हानी ने गेंद को क्लियर करने की कोशिश में अपनी ही टीम के गोल में पहुंचा दिया। इस आत्मघाती गोल के साथ स्कोर 1-1 हो गया और मुकाबला बेहद रोमांचक बन गया।

दोनों टीमों को मिले मौके

अतिरिक्त समय में मिस्र के पास मैच खत्म करने का सुनहरा अवसर था, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के गोलकीपर पैट्रिक बीच ने रामी राबिया के दमदार हेडर पर शानदार एक हाथ से बचाव किया। इसके बाद मोहम्मद सलाह ने हैसम हसन के लिए मौका बनाया, लेकिन हैरी साउटर ने बेहतरीन ब्लॉक लगाकर ऑस्ट्रेलिया को बचा लिया ।निर्धारित समय और अतिरिक्त समय में फैसला नहीं होने के बाद मैच पेनल्टी शूटआउट में पहुंचा। मिस्र ने अपनी सभी चार पेनल्टी सफलतापूर्वक गोल में बदली। स्टार खिलाड़ी मोहम्मद सलाह ने भी शानदार 'पानेन्का' शैली में पेनल्टी को गोल में बदल दिया। दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलिया के हैरी साउटर और लुकास हेरिंगटन पेनल्टी चूक गए, जिससे मिस्र ने 4-2 से जीत दर्ज कर ली।

अल-नासर को मिला नया कोच, एंजे को मिली कमान

सऊदी अरब के दिग्गज क्लब अल-नासर ने ऑस्ट्रेलियाई कोच एंजे पोस्टेकोग्लू को अपनी पहली फुटबॉल टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। क्लब ने शनिवार को इसकी आधिकारिक घोषणा करते हुए बताया कि पोस्टेकोग्लू के साथ दो साल का अनुबंध किया गया है।एंजे पोस्टेकोग्लू पुर्तगाली कोच जॉर्ज जीसस की जगह लेंगे। क्लब ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, 'एक नए अध्याय की शुरुआत। एंजे पोस्टेकोग्लू को अल-नासर की पहली फुटबॉल टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। उनका अनुबंध दो सीजन के लिए है। हम उन्हें और उनके सहयोगी स्टाफ को क्लब के साथ सफल सफर की शुभकामनाएं देते हैं।'पोस्टेकोग्लू के सामने सबसे बड़ी चुनौती पांच बार के बैलन डी'ऑर विजेता क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ टीम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की होगी। इसके अलावा वह सादियो माने, किंग्सले कोमन और जोआओ फेलिक्स जैसे स्टार खिलाड़ियों को भी कोचिंग देंगे। इस समय 41 वर्षीय क्रिस्टियानो रोनाल्डो पुर्तगाल की ओर से फीफा विश्व कप 2026 में खेल रहे हैं। उन्होंने क्रोएशिया के खिलाफ राउंड ऑफ 32 मुकाबले में पेनल्टी के जरिए बराबरी का गोल दागा था। हालांकि बाद में उन्हें मैदान से बाहर बुला लिया गया और गोंकालो रामोस ने विजयी गोल कर टीम को बढ़त दिलाई।

विश्व कप से पहले भारत ने दिया बड़ा संदेश

फुल्टन बोले- गेम प्लान पर टिके रहे तो जीत हमारी होगी

नई दिल्ली, एजेंसी। एफआईएच प्रो लीग में कुल मिलाकर निराशाजनक अभियान के बावजूद आखिरी चरण में भारतीय टीम ने दमदार प्रदर्शन कर अपने इरादे साफ कर दिए। जर्मनी और नीदरलैंड जैसी मजबूत टीमों को हराने के बाद मुख्य कोच क्रेग फुल्टन का मानना है कि अगर टीम अपने गेम प्लान पर कायम रही तो दुनिया की किसी भी टीम को मात दे सकती है।

जर्मनी और नीदरलैंड पर जीत से बढ़ा टीम का आत्मविश्वास?

मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा कि प्रो लीग के दौरान टीम का आत्मविश्वास लगातार बढ़ा है। उन्होंने कहा कि जर्मनी और नीदरलैंड जैसी शीर्ष टीमों पर जीत और इंग्लैंड के खिलाफ कड़े मुकाबले ने साबित कर दिया कि भारतीय टीम अपने गेम प्लान पर अमल करे तो किसी भी टीम को चुनौती देने और हराने की क्षमता रखती है। उन्होंने इसे विश्व कप और एशियाई खेलों से पहले अच्छा संकेत बताया, हालांकि प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने की जरूरत भी बताई।

टीम दबाव में पहले से ज्यादा मजबूत हुई

फुल्टन ने कहा कि टीम ने दबाव की परिस्थितियों में संयम बनाए रखा, अलग-अलग टीमों की खेल शैली के अनुसार खुद को ढाला और करीबी मुकाबलों में जीत हासिल की। उनके अनुसार यही अनुभव विश्व कप और एशियाई खेलों जैसे बड़े टूर्नामेंट में टीम के काम आएगा और टीम सही दिशा में आगे बढ़ रही है।

प्रो लीग भारत के लिए मुश्किल रही थी

राउरकेला में खेले गए घरेलू चरण में भारत को बेल्जियम और अर्जेंटीना के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद होबार्ट चरण में टीम ने सुधार के संकेत दिए। स्पेन से शुरुआती हार के बाद भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-2 और स्पेन के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला, हालांकि दोनों मुकाबलों के शूटआउट में हार मिली। अंतिम मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1-1 की बराबरी के बाद भारत ने शूटआउट 3-1 से जीत लिया।यूरोप चरण में भारतीय टीम का प्रदर्शन काफी बेहतर रहा। रॉटरडैम में भारत ने जर्मनी को 3-1 और नीदरलैंड को 3-2 से हराया। दुनिया की दो मजबूत रक्षात्मक टीमों के खिलाफ भारत ने चार मैचों में नौ गोल किए, जिनमें पांच फील्ड गोल और चार पेनल्टी कॉर्नर से आए। इसके बाद लंदन में पाकिस्तान और इंग्लैंड के खिलाफ चारों मुकाबलों में भारत निर्धारित समय तक अपराजित रहा।

हरमनप्रीत सिंह ने भी जताया भरोसा

होबार्ट चरण से बाहर रहने के बाद टीम की कप्तानी संभालने लौटे हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि शीर्ष रैंकिंग वाली टीमों को हराना हमेशा खास होता है और इससे पता चलता है कि टीम की मेहनत रंग ला रही है। उन्होंने कहा कि विश्व कप और एशियाई खेलों की तैयारी में टीम इन सकारात्मक पहलुओं को साथ लेकर आगे बढ़ेगी।

नोवाक जोकोविच ने रचा इतिहास

जोकोविच ने विंबलडन पुरुष एकल में रोजर फेडरर के 105 जीत के रिकॉर्ड की बराबरी की

नई दिल्ली, एजेंसी। सात बार के विंबलडन चैंपियन नोवाक जोकोविच ने तीसरे दौर में फ्रांस के आर्थर रिंदरकनेच को कड़े मुकाबले में 7-5, 6-4, 1-6, 7-6(4) से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल (चौथे दौर) में जगह बना ली। इस जीत के साथ जोकोविच ने विंबलडन पुरुष एकल में रोजर फेडरर के 105 जीत के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

फेडरर की बराबरी, अब सिर्फ एक खिलाड़ी आगे

39 वर्षीय सर्बियाई दिग्गज अब विंबलडन में पुरुष एकल के इतिहास में सबसे ज्यादा 105 मैच जीतने वाले खिलाड़ियों की सूची में रोजर फेडरर के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंच गए हैं। पूरे इतिहास में उनसे आगे सिर्फ महिला टेनिस की दिग्गज मार्टिना नवरातिलोवा हैं, जिन्होंने विंबलडन में 120 एकल मुकाबले जीते हैं।

जोकोविच बोले- इतिहास बनाना मेरे लिए सम्मान की बात

जीत के बाद जोकोविच ने कहा कि इस खेल में इतिहास रचना उनके लिए गर्व और सम्मान की बात है। उन्होंने कहा, 'इस खेल में इतिहास बनाना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान और सौभाग्य है। खासकर विंबलडन में, क्योंकि बचपन से यही मेरा सपना रहा है। मैं 105 या 106 जीत के बारे में नहीं सोच रहा, मेरा पूरा ध्यान हर मैच जीतने पर है।'उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'आज मैं सामान्य से ज्यादा दबाव में था। मुझे पता था कि मुकाबला आसान नहीं होगा। मैं खुश हूं कि इसे जीत पाया। अब मैं चाहता हूं कि 106वीं जीत के लिए मेरा मुकाबला रोजर फेडरर से ही हो जाए।'

रिंदरकनेच ने दी कड़ी टक्कर

दूसरे दौर में स्टेफानोस सित्सिपास को सीधे सेटों में हराने वाले जोकोविच इस बार अपनी सर्वश्रेष्ठ लय में नजर नहीं आए। फ्रांस के आर्थर रिंदरकनेच ने पहले दो सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए तीसरा सेट 6-1 से अपने नाम किया। चौथे सेट में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच लंबी और रोमांचक रैलियां देखने को मिलीं। रिंदरकनेच ने कई शानदार सर्विस और वॉली से दर्शकों को प्रभावित किया, लेकिन टाई-ब्रेक में जोकोविच के अनुभव ने बाजी पलट दी।

अब चौथे दौर में रोमन सफियुलिन से मुकाबला

अब जोकोविच का सामना चौथे दौर में क्वालिफायर रोमन सफियुलिन से होगा। सफियुलिन ने तीसरे दौर में ब्राजील के जोआओ फोन्सेका को 6-3, 6-3, 6-3 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई। चोटों से जूझने वाले सफियुलिन ने इस साल विंबलडन से पहले टूर स्तर पर एक भी मैच नहीं जीता था।

विंबलडन में सबसे ज्यादा एकल मैच जीत

मार्टिना नवरातिलोवा	120 जीत
रोजर फेडरर	105 जीत
नोवाक जोकोविच	105 जीत